धनबाद
गुरूवार 26.02.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-07 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-9
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

सत्यमेव जयते

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

का वीर भूमि झारखण्ड में
अभिनंदन और
जोहार

दिनांक: 26 फरवरी, 2026

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR 373628 (IPRD) 25-26

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

संपादकीय

भारत ब्राजील समझौते के क्या हैं मायने

मौजूदा दौर में दुनिया भर में भू-राजनीति के स्वरूप में जिस तेजी से उतार-चढ़ाव देखे जा रहे हैं, उसमें सभी देशों के सामने अपने भविष्य और विकास की राह सुरक्षित करने की चुनौती दिख रही है। खासतौर पर जिन कारकों पर आने वाले वर्षों में विकास की दिशा निर्भर करेगी, उसके मद्देनजर अलग-अलग देशों के बीच साझेदारी के नए अध्याय तैयार हो रहे हैं, विकल्प की राह खोजी जा रही है। भारत और ब्राजील के बीच हुए समझौते को इसी की एक कड़ी के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें मुख्य रूप से उन बिंदुओं पर सहमति बनी है, जिसमें सहयोग के क्षेत्र में विकल्प के नए रास्ते तैयार हों। आज दुनिया भर में यह चिंता सतह पर देखी जा रही है कि आने वाले वर्षों में विकास का आधार बनने वाले अहम कारकों को लेकर कैसे एक नई आपूर्ति शृंखला बनाई जाए।

भारत-ब्राजील के बीच हुआ समझौता इसी संदर्भ में महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि इसके जरिए दोनों को अन्य मजबूत देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि इस समझौते में अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डालर से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे एक मजबूत आपूर्ति शृंखला बनाने की दिशा में काफी महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते में सबसे अहम सहमति दुर्लभ खनिजों और भू-धातुओं को लेकर बनी है, जो आने वाले वर्षों में समूची दुनिया में विकास के सबसे अहम कारक बनने वाले हैं।

इससे तकनीक के क्षेत्र में आदान-प्रदान, नई संभावनाओं की खोज, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह जगजाहिर तथ्य है कि आज लीथियम और कोबाल्ट जैसे अन्य दुर्लभ

खनिज तथा भू-धातु विकास के संचालक तत्त्व बन रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जिस तरह इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा क्षेत्र, आधुनिक रक्षा उपकरणों के निर्माण और रोबोटिक्स उत्पादन के क्षेत्र में सभी देश अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं और इस संबंध में ज्यादा बेहतर अवसरों की तलाश में हैं। ऐसे में दुर्लभ खनिजों की मांग में काफी तेजी आने की उम्मीद है। फिलहाल वैश्विक स्तर पर दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण के सबसे बड़े हिस्से पर चीन का नियंत्रण है। भारत-ब्राजील के बीच हुए समझौते का एक मुख्य उद्देश्य आधुनिक उद्योग और तकनीक के लिए आवश्यक सामग्री की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना है और साथ ही इस क्षेत्र के प्रमुख आपूर्तिकर्ता और खासतौर पर चीन पर निर्भरता को कम करना है। भारत के लिए यह समझौता इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि ब्राजील को चीन के बाद दुर्लभ खनिजों से समृद्ध दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश माना जाता है। ब्राजील के साथ नए करार के बाद भारत को इन खनिजों को सीधे हासिल करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को लेकर एक सहमति बनी है। इसका असर छोटे कारोबारियों पर भी पड़ेगा और उन्हें नई तकनीकों के साथ-साथ ब्राजील के बाजार और उसकी नीतियों के अनुकूल अपना रुख तय करने का मौका मिलेगा। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल क्षेत्र में विकास के अन्य अहम बिंदुओं पर भी सहयोग के नए आयाम खुले हैं। दोनों देशों के बीच साझेदारी ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका व्यापार समझौते में भारत के सामने अपने फायदे में शर्तें सामने रख रहा है। हालांकि यह ध्यान रखने की जरूरत है कि बहुध्रुवीय विश्व में अगर कोई विकसित देश अपने हित में विकासशील देशों पर दबाव को औजार बनाता है, तो आज एक बेहतर कूटनीति विकल्प की राह तैयार कर सकती है।

राष्ट्रीय खिलाड़ी की मौत पर मानवाधिकार आयोग ने उठाए गंभीर सवाल

हरियाणा के रोहतक जिले में पिछले साल बास्केटबाल का खंभा गिरने से एक युवा राष्ट्रीय खिलाड़ी की मौत ने शासकीय लापरवाही और भ्रष्टाचार की कई परतें भी खोल दी थीं। तब इस मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने इसकी हर पहलू से जांच करने और जरूरत के मुताबिक सुधार के कदम उठाने की बात कही थी। घटना के बाद एक जांच समिति भी गठित की गई थी, मगर हालत यह है कि अब तक उस समिति की विस्तृत रपट नहीं पेश की गई।यही वजह है कि हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने खिलाड़ी की मौत पर चिंता जताते हुए इसे मानव अधिकारों का उल्लंघन बताया है। गौरतलब है कि रोहतक के उपायुक्त की ओर से जो

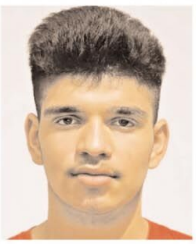

रपट भेजी गई, उसमें घटना के वास्तविक कारणों और सुरक्षा मानकों का ठोस ब्योरा तक नहीं है। इसमें केवल बास्केटबाल स्टेडियम बनाने के लिए लाखों रुपए की राशि स्वीकृत किए जाने का जिक्र है। आयोग ने इसे संज्ञान में लिया है और अब पूरे मामले पर सरकार से रपट मांगी है। यह दुखद है कि खेलों के लिए पर्याप्त राशि खर्च किए जाने पर भी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं मिलता और खेल सुविधाओं में गुणवत्ता नहीं दिखती। बास्केटबाल मैदान में अगर खंभे में जंग लगी थी और वह कमजोर होने के कारण गिरने की स्थिति में था, तो वहां किसी खिलाड़ी को अभ्यास करने या खेलने से रोकना और खंभा तुरंत बदलना किसकी जिम्मेदारी थी? अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बार-बार की शिकायत के बावजूद उस खंभे की न मरम्मत की गई और न उसे हटाया गया। सच यह है कि खेल के मैदान में नियमित रखरखाव होता, तो अभ्यास के दौरान बास्केटबाल खिलाड़ी की जान नहीं जाती। आयोग ने साफ तौर कहा है कि यह संबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही और उनके कर्तव्यों में चूक है। ऐसा लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा और चिंता का कारण बनने के बावजूद इस मसले पर राज्य सरकार की उदासीनता और अनदेखी एक अघोषित नीति है! वरना जांच रपट में देरी न करना और इस मसले पर जरूरी कदम उठाना उसकी नजर में प्राथमिक दायित्व होता।

आज का कार्टून

तकनीक के दुरुपयोग का फैलता दायरा...

> आज भारत एक डिजिटल समाज बनने की ओर अग्रसर है, मगर अब भी बड़ी संख्या में लोग डिजिटल रूप से साक्षर नहीं हैं। अगर साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो निकट भविष्य में इसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। यह विफलता हमारे समाज को नकदी-आधारित प्रणालियों की ओर फिर से रुख करने के लिए मजबूर कर सकती है। मगर हम नवाचार, संस्थागत सहयोग और नैतिक प्रारूप के सही संयोजन के साथ सुरक्षात्मक उपाय तलाशेंगे, तो न केवल देश में इस खतरे को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए वैश्विक स्तर पर भी मिसाल कायम कर सकते हैं। इसलिए तेजी से बदलते डिजिटल दौर में खुद को आगे रखने के लिए सरकार, प्रौद्योगिकी क्षेत्र और समाज के बीच एक समन्वित एवं सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। साथ ही सतर्कता, डिजिटल अनुशासन और विशेषज्ञों की ओर से सुझाए गए व्यावहारिक उपायों के जरिए इस खतरे को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

रवि शंकर

हाल के वर्षों में भारत ने विभिन्न सेवाओं के डिजिटलीकरण में खासी प्रगति की है। देश में नब्बे करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हो गए हैं, जिससे डिजिटल माध्यम से पैसे के लेन-देन और अन्य कार्यों को पूरा करने का चलन भी बढ़ा है। इसी की बदौलत भारत ने दुनिया के सबसे बड़े 'रियल-टाइम' भुगतान बाजार के रूप में खुद को परिवर्तित किया है। वर्ष 2017 और 2023 के बीच 'रिटेल डिजिटल भुगतान' में 50.8 फीसद की तेज वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2014 में यह देश की जीडीपी का 4.5 फीसद हिस्सा था और 2026 के अंत तक इसके बीस फीसद तक पहुंचने का अनुमान है। मगर डिजिटल तकनीक के तेजी से हो रहे प्रसार के साथ कई साइबर संबंधी समस्याएं भी सामने आई हैं।

आज अक्सर ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां लोग साइबर धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। भले ही डिजिटल समावेशन का सपना अब देश के दूरदराज इलाकों तक पहुंच चुका है, लेकिन इस उपलब्धि के साथ कई तरह की चुनौतियां भी पैदा हो गई हैं। तकनीक का दुरुपयोग सुरक्षा में सेंध लगा रहा है और इस तरह के अपराध पर लगाम लगाना सुरक्षा एजंसियों के लिए भी टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 के बाद से देश में साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं में करीब चार सौ फीसद की वृद्धि हुई है। अब ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी क्षेत्र डिजिटल ठगी के नए केंद्र बनते जा रहे हैं। कुछ शहरों में साइबर सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने के कारण वहां इस तरह के अपराध तेजी से बढ़े हैं।

ग्रामीण इलाकों में भी साइबर अपराध का बढ़ना कोई संयोग नहीं, बल्कि यह सामाजिक और तकनीकी बदलाव का नतीजा है। बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों में स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने डिजिटल पहुंच तो बढ़ा दी है, लेकिन लोगों में डिजिटल समझ नहीं बढ़ी है।

सट्टेबाजी और आनलाइन खेल ऐप, जो मनोरंजन के रूप में पेश किए जाते हैं, वे साइबर ठगी के आसान जरिया बन गए हैं। यही वजह है कि पिछले छह साल में आनलाइन धोखाधड़ी के कारण भारतीयों को 52 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा है। यह जानकारी भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के ताजा आंकड़ों से सामने आई है।

समन्वय केंद्र की रपट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में देश के नागरिकों ने करीब 19,813 करोड़ रुपए साइबर धोखाधड़ी में गंवाए हैं। इस दौरान 21 लाख से ज्यादा शिकायतें राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज हुईं। इससे पहले वर्ष 2024 में 22,849 करोड़ रुपए का नुकसान और लगभग 19 लाख शिकायतें सामने आईं।

आज जब ज्यादातर चीजें मोबाइल और इंटरनेट पर सुलभ हैं, वहीं साइबर अपराधी भी हर उस चूक का इंतजार करते हैं, जो आम लोग अनजाने में कर बैठते हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कि लोग खुद को डिजिटल रूप से प्रशिक्षित और सतर्क बनाएं। समस्या इसलिए भी जटिल होती जा रही है कि साइबर अपराधी ठगी के लिए नए-नए तरीके अपनाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी देश भर में बढ़ रहे डिजिटल अपराध से निपटने के लिए सरकार को

उचित एवं प्रभावी कदम उठाने को कहा।

शीर्ष अदालत के मुताबिक, डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों और संबंधित अधिकारियों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। साइबर ठगी के मामलों में पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक राहत मुहैया कराने की मांग भी उठ रही है, जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक विचार कर रहा है।

माना जा रहा है कि आरबीआइ एक नया नियम बना सकता है, जिसके तहत साइबर ठगी के छोटे मामलों में पीड़ित को पच्चीस हजार रुपए की आर्थिक मदद मिल सकती है। मगर यह तभी संभव होगा, जब पीड़ित व्यक्ति समय पर बैंक को इस तरह की धोखाधड़ी की जानकारी देगा।

साइबर अपराध बढ़ने से आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालात ये हैं कि साइबर अपराध अब केवल तकनीकी चूक का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यक्तिगत गोपनीयता और समग्र डिजिटल व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। आज साइबर ठगी केवल ई-मेल या फोन काल तक सीमित नहीं रह गई है।

'एआई वायस क्लोनिंग', 'डीपफेक वीडियो', नकली ऐप और सोशल मीडिया पर बनाए गए फर्जी प्रोफाइल के जरिए अपराधी आम लोगों पर मानसिक दबाव बनाकर धोखाधड़ी कर रहे हैं। कई मामलों में जालसाज खुद को बैंक अधिकारी, पुलिस अफसर, आयकर अधिकारी या किसी करीबी रिश्तेदार के रूप में पेश कर तत्काल भुगतान की मांग करते हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा अब महज पैसों के नुकसान से बचाने का मामला नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बन चुका है।

एक रपट के मुताबिक, भारत में डिजिटल तरीके से वित्तीय लेन-देन अब बड़े पैमाने पर होने लगा है। इसलिए साइबर सुरक्षा अब सिर्फ तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवस्था में नागरिकों के भरोसे को कायम रखने के लिए भी जरूरी है। सरकार ने साइबर ठगी को रोकने के लिए कानून जरूर बनाए हैं, लेकिन आज भी इनका प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन, तथ्य जांच और वास्तविक समय में निगरानी जैसी प्रणालियां बहुत धीमी गति से काम करती हैं।

जाहिर है, किसी एक एजंसी पर जिम्मेदारी डालने से साइबर अपराध पर अंकुश लगाना संभव नहीं है। इसके लिए केंद्र-राज्य सरकारें, बैंकिंग-वित्तीय संस्थान, टेक कंपनियां और आम नागरिक, सभी को एकजुट होकर एक रणनीति के साथ काम करना होगा। इसमें दोराय नहीं कि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ने के साथ-साथ डिजिटल धोखाधड़ी का दायरा भी बढ़ रहा है।

ऐसे में संदिग्धों का पंजीकरण इस तरह के मामलों से निपटने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है, लेकिन यह एक व्यापक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत करना, डिजिटल साक्षरता बढ़ाना और नागरिकों में सतर्कता एवं जागरूकता को प्रोत्साहित करना भी उतना ही अहम है। नीति निर्माताओं को नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा को केंद्र में रखना होगा।

आज भारत एक डिजिटल समाज बनने की ओर अग्रसर है, मगर अब भी बड़ी संख्या में लोग डिजिटल रूप से साक्षर नहीं हैं। अगर साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो निकट भविष्य में इसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। यह विफलता हमारे समाज को नकदी-आधारित प्रणालियों की ओर फिर से रुख करने के लिए मजबूर कर सकती है।

मगर हम नवाचार, संस्थागत सहयोग और नैतिक प्रारूप के सही संयोजन के साथ सुरक्षात्मक उपाय तलाशेंगे, तो न केवल देश में इस खतरे को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए वैश्विक स्तर पर भी मिसाल कायम कर सकते हैं। इसलिए तेजी से बदलते डिजिटल दौर में खुद को आगे रखने के लिए सरकार, प्रौद्योगिकी क्षेत्र और समाज के बीच एक समन्वित एवं सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। साथ ही सतर्कता, डिजिटल अनुशासन और विशेषज्ञों की ओर से सुझाए गए व्यावहारिक उपायों के जरिए इस खतरे को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

नये भारत की नई प्रहार नीति...

> भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की पहली समग्र आतंक विरोधी नीति जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब आतंक के खिलाफ संघर्ष एक संगठित और आक्रामक ढांचे के तहत लड़ा जाएगा। इस नीति का नाम रखा गया है प्रहार। नाम ही संकेत दे रहा है कि यह नीति रक्षात्मक नहीं बल्कि प्रतिघात और प्रतिकार की सोच पर आधारित है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी दस्तावेज में साफ कहा गया है कि भारत को सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ साइबर हमलों, ड्रोन के दुरुपयोग और उभरती तकनीकों के जरिये हो रहे हमलों का भी सामना करना पड़ रहा है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि अपराधी हैकर और कुछ राष्ट्र लगातार साइबर हमलों के जरिये भारत को निशाना बना रहे हैं। यह खतरा अब केवल बंदूक और बारूद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि की-बोर्ड, कोड और क्रिप्टो वॉलेट तक फैल चुका है।

नीरज कुमार दुबे

नीति में यह रेखांकित किया गया है कि भारत जल, थल और नभ तीनों मोर्चों पर आतंकी खतरों से जूझ रहा है। बिजली, रेल, विमानन, बंदरगाह, रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा क्षमता को मजबूत किया गया है ताकि राज्य और गैर राज्य तत्वों की साजिशों को विफल किया जा सके। यह स्पष्ट संकेत है कि अब आतंक के खिलाफ केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई नहीं होगी, बल्कि रणनीतिक तैयारी पहले से की जाएगी।

दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष धर्म, जाति या राष्ट्रीयता से नहीं जोड़ता। लेकिन यह भी उतनी ही स्पष्टता से दर्ज किया गया है कि सीमा पार से प्रायोजित जिहादी आतंकी संगठन और उनके सहयोगी भारत के खिलाफ लगातार साजिशें रचते रहे हैं। अल कायदा और आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों का नाम लेते हुए नीति में कहा गया है कि ये संगठन स्लीपर सेल के जरिये भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश करते रहे हैं। विशेष चिंता का विषय ड्रोन और रोबोटिक तकनीक का दुरुपयोग है, खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में। हथियार और मादक पदार्थ गिराने से लेकर आतंकी हमलों की साजिश तक, तकनीक का

इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्शन टूल, डॉर्क वेब और क्रिप्टो वॉलेट के जरिये फंडिंग और प्रचार का नेटवर्क खड़ा किया जा रहा है। नीति इस डिजिटल युद्ध को पहचानते हुए सीबीआरएनईडी यानी रासायनिक, जैविक, विकिरण, परमाणु, विस्फोटक और डिजिटल सामग्री तक आतंकी पहुंच को रोकने की चुनौती पर जोर देती है।

गृह मंत्रालय ने जांच की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर कानूनी विशेषज्ञों को जोड़ने की सिफारिश की है ताकि एफआईआर से लेकर अभियोजन तक केस मजबूत बन सके। यह कदम आतंक के खिलाफ अदालतों में निर्णायक सजा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कट्टरपंथ के मुद्दे पर भी नीति स्पष्ट है। अक्सर देखने में आता है कि आतंकी संगठन भारतीय युवाओं को बरगलाने की कोशिश करते हैं। ऐसे मामलों में चरणबद्ध पुलिस प्रतिक्रिया, कानूनी कार्रवाई और पुनर्वास कार्यक्रमों का प्रावधान किया गया है। समुदाय और धार्मिक नेताओं की भूमिका को भी रेखांकित करते हुए कहा गया है कि जागरूकता और संवाद के जरिये युवाओं को भटकने से रोका जाएगा। जेलों में भी डि रेडिकलाइजेशन कार्यक्रम चलाने की बात कही गई है।

यह नीति केवल घरेलू ढांचा नहीं है। इसमें अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की भी आवश्यकता पर बल दिया गया है, क्योंकि आतंक का नेटवर्क सीमाओं से परे फैला हुआ है। विदेशी संगठन स्थानीय ढांचे और भूगोल का उपयोग कर हमले की साजिश रचते हैं। ऐसे में समन्वित वैश्विक कार्रवाई जरूरी है।

देखा जाये तो प्रहार नीति वस्तुतः उस बदले हुए भारत को दर्शाती है जो अब आतंकवाद को नियति मानकर सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा। पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमा पार आतंकवाद का जवाब केवल कूटनीतिक नोटिस से नहीं बल्कि निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब यह नीति उस सोच को संस्थागत रूप दे रही है।

भारत की प्रहार नीति का सामरिक महत्व अत्यंत गहरा है। यह स्पष्ट संदेश देती है कि भारत बहु आयामी युद्ध को समझता है। आतंक अब केवल सीमा पर घुसपैठ नहीं, बल्कि साइबर स्पेस, वित्तीय नेटवर्क और वैचारिक प्रचार के जरिये भी फैलाया जाता है। प्रहार इन सभी मोर्चों पर एकीकृत प्रतिक्रिया का ढांचा प्रस्तुत करता है। साथ ही यह नीति रक्षात्मक मानसिकता से बाहर निकलकर सक्रिय प्रतिरोध और पूर्व तैयारी की रणनीति अपनाती है। इसके अलावा, यह कानून, तकनीक और समाज तीनों को एक साथ जोड़ती है।

सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की नीति ने स्पष्ट कर दिया है कि अब धैर्य की भी सीमा है। कश्मीर में आतंकी ढांचे को तोड़ने, फंडिंग पर नकेल कसने और अलगाववादी नेटवर्क को ध्वस्त करने के कदमों ने जमीन पर असर दिखाया है। प्रहार उसी क्रम का अगला चरण है जहां आतंक के हर स्वरूप को चिन्हित कर व्यवस्थित ढंग से कुचला जाएगा।

जो लोग आतंक के खिलाफ कठोर नीति को लेकर संशय जताते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि राष्ट्रीय सुरक्षा भावनात्मक उदारता से नहीं बल्कि कठोर निर्णयों से सुरक्षित होती है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी धर्म को आतंक से नहीं जोड़ता, लेकिन आतंक के नाम पर देश को अस्थिर करने की हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब देगा।

बहरहाल, प्रहार नीति एक संदेश है कि नया भारत हमले का इंतजार नहीं करता, बल्कि खतरे की पहचान कर पहले ही प्रहार करता है। यही रणनीतिक परिपक्वता किसी भी उभरती शक्ति की पहचान होती है। आतंक के खिलाफ यह संगठित, आक्रामक और समन्वित दृष्टिकोण आने वाले समय में भारत की सुरक्षा संरचना को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

धनबाद
गुरूवार 26.02.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-07 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-9
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

भारत हथियार निर्माता ही नहीं निर्यातक भी बने : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के नए अधिकारियों से साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय में मुलाकात की, जहां उन्होंने उनसे खुलकर बातचीत की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि भारत का स्वदेशी रक्षा उद्योग इतना मजबूत बने कि देश की जरूरतें भी यहीं पूरी हों और दुनिया के दूसरे देशों को भी भारतीय रक्षा उपकरण निर्यात किए जाएं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय था जब भारत दुनिया के बड़े रक्षा आयातकों में गिना जाता था। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। सरकार ने नई तकनीकों को अपनाने, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र को साथ लेकर चलने और स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। आज भारत जमीन, समुद्र, आकाश और अंतरिक्ष जैसे सभी क्षेत्रों में अपने प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है। कई देशों को भारत से रक्षा उपकरण मिल रहे हैं।

रक्षामंत्री ने कहा कि यह बदलाव रातों-रात नहीं आया, बल्कि लगातार नीति सुधार और तकनीकी विकास का नतीजा है। राजनाथ सिंह ने प्रशिक्षु अधिकारियों को समझाया कि विदेशों में तैनात भारतीय राजनयिक सिर्फ राजनीतिक या आर्थिक संबंध नहीं संभालते, बल्कि रक्षा सहयोग और निर्यात के रास्ते भी खोलते हैं। जब भारत किसी देश के साथ रक्षा समझौता करता है या सैन्य उपकरण बेचता है, तो उसमें दूतावासों और राजनयिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

भारतीय नौसेना स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस तारागिरी को कमीशन करेगी

विशाखापत्तनम (ईएमएस): भारतीय नौसेना १४ मार्च को पूर्वी नौसैनिक कमान के तहत विशाखापत्तनम में स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस तारागिरी को कमीशन करेगी। रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। यह युद्धपोत नीलगिरि श्रेणी प्रोजेक्ट १७- का चौथा जहाज है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित इस युद्धपोत को २८ नवंबर २०२५ को नौसेना को सौंपा गया था। तारागिरी भारत की स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण क्षमता में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

तारागिरी नाम भारतीय नौसेना की पुरानी लीनडर श्रेणी की फ्रिगेट आईएनएस तारागिरी की विरासत को आगे बढ़ाता है, जिसने १९८० से २०१३ तक ३३ वर्षों तक सेवा दी। नई तारागिरी उससे कहीं अधिक उन्नत और घातक है।एक अधिकारी के अनुसार, यह फ्रिगेट स्टेल्थ क्षमता, मारक शक्ति, ऑटोमेशन और सर्वाइवेबिलिटी में गुणात्मक छलांग का प्रतीक है और युद्धपोत निर्माण में आत्मनिर्भर भारत का मजबूत उदाहरण है।

प्रोजेक्ट १७ए के तहत बने ये फ्रिगेट्स वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किए गए बहु भूमिका प्लेटफॉर्म हैं, जो वर्तमान और उभरते समुद्री खतरों से निपटने में सक्षम हैं। इनकी स्टेल्थ संरचना और हथियार तथा सेंसर प्रणाली पहले की शिवारिक श्रेणी पी१७ के जहाजों की तुलना में कहीं अधिक उन्नत है।

जमशेदपुर में आज होगा श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक केंद्र का भूमि पूजन, राष्ट्रपति समेत शीर्ष नेतृत्व रहेंगे मौजूद

जमशेदपुर (एजेंसी): लौहनगरी जमशेदपुर २६ फरवरी को एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अवसर का साक्षी बनेगा, जब भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चैरिटेबल केंद्र के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में राज्य और केंद्र सरकार के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ औद्योगिक जगत की प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित रहेंगी।

कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, धर्मेंद्र प्रधान, जोबा मांझी, विद्युत बरन महतो, सरयू राय और पूर्णिमा साहू मुख्य मंच पर उपस्थित रहेंगे। साथ ही टीवी नरेंद्रन (मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, टाटा स्टील) भी इस कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला प्रशासन ने आयोजन स्थल पर मॉक ड्रिल और ड्राई रन का सफलतापूर्वक संचालन किया। उपायुक्त के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था और प्रोटोकॉल की विस्तृत समीक्षा की। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी एसके बेहेरा और अन्य सदस्य भी तैयारियों के समन्वय के लिए उपस्थित रहे।

निर्धारित समय-सारिणी- आगमन: राष्ट्रपति दोपहर

१२:२० बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगी। **भूमि पूजन:** उनके कर-कमलों द्वारा मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। **प्रस्थान:** दोपहर १:२० बजे प्रस्थान प्रस्तावित है। **विशेष व्यवस्था:** कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भव्य भोग (प्रसाद) की व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार लगभग १०० करोड़ रुपये की लागत से यह केंद्र विकसित किया जाएगा। ▸▸ 8

सुरक्षाबलों ने गुफा से किया हथियार बरामद

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों ने बुधवार को जॉइंट ऑपरेशन चलाकर आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम किया। भारतीय सेना की रोमियो फोर्स और एसओजी ने गनी गांव में एक गुफा से आतंकियों के हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। हाल के दिनों में सुरक्षा बल लगातार एक्शन में हैं।

बीते २० दिनों में जम्मू क्षेत्र के अलग-अलग ऑपरेशनों त्राशी-१ और केआईवायए में ६ आतंकियों को मार गिराया जा चुका है। किश्तवाड़ से लेकर सुंदरबनी सेक्टर तक सेना पूरी तरह अलर्ट पर है।

162 लाख करोड़ का कर्ज है भारतीयों पर

रिटेल में 18 फीसदी की वृद्धि, सबसे ज्यादा होम लोन

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय लोगों के बीच कर्ज लेने का चलन लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। हालिया आंकड़ों के अनुसार दिसंबर तिमाही में देश के रिटेल लोन में १८ फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान होम लोन का रहा और इसमें १० फीसदी से अधिक का इजाफा हुआ्। दिसंबर तिमाही २०२५ में व्यक्तिगत कर्ज की रफ्तार में मजबूत देखने को मिली है। कुल आउटस्टैंडिंग रिटेल लोन १८.१ फीसदी बढक़र १६२ लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। महंगाई, त्योहारों के दौरान खर्च और जीएसटी बदलाव के कारण सोने के बदले मिलने वाले कर्ज में भी तेजी दर्ज की गई है।

होम लोन ४३ लाख करोड़ और गोल्ड लोन १६ लाख करोड़

आंकड़ों के अनुसार होम लोन १०.५ फीसदी बढक़र ४३ लाख करोड़ रुपए के आंकड़े पर पहुंच गया है, जबकि गोल्ड लोन में ४४.१ फीसदी की तेज ग्रोथ के साथ यह १६.२ लाख करोड़ रुपए तक पहुंचा है। वहीं पर्सनल लोन सेगमेंट भी पीछे नहीं रहा और आउटस्टैंडिंग लोन ११.६ फीसदी बढक़र १५.९ लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया। होम लोन से जुड़े ताजा आंकड़ों से पता ▸▸ 8

सुप्रीम कोर्ट से सीएम हेमंत सोरेन को राहत

ईडी केस में एमपी-एमएलए कोर्ट की कार्रवाई पर रोक

रांची (ईएमएस): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज शिकायत वाद पर रांची सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी द्वारा लिए गए संज्ञान को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने रांची की एमपी-एमएलए कोर्ट की विशेष अदालत में चल रही कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगा दी। साथ ही ईडी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इस आदेश के बाद फिलहाल निचली अदालत में आगे की प्रक्रिया स्थगित रहेगी, जिससे मुख्यमंत्री को अस्थायी राहत मिल गई है।

मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई, जिसमें जस्टिस जॉयमंगल बागची भी शामिल थे। मुख्यमंत्री की ओर से सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम द्वारा संज्ञान लिये जाने और उसके बाद एमपी-एलए कोर्ट में कार्यवाही शुरू होने की प्रक्रिया विधि सम्मत नहीं है। बहस के बाद अदालत ने प्रथम दृष्टया मामले में हस्तक्षेप करते हुए विशेष अदालत की कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया। कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर निर्धारित समय में जवाब दाखिल करने को कहा है।

शेख हसीना की दहाड़ कहा- जल्द बांग्लादेश लौटेंगे और सड़कों पर संघर्ष भी करेंगे

नई दिल्ली(ईएमएस): बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने महीनों की खामोशी के बाद एक ऐसा कदम उठाया है जिसने ढाका के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। जुलाई २०२४ के तख्तापलट और हिंसक विद्रोह के बाद भारत में शरण लेने वाली शेख हसीना ने अब अपने वतन लौटने की तैयारी का स्पष्ट संकेत दे दिया है। दिल्ली से अपनी पार्टी, आवामी लीग के नेताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मानसिक और शारीरिक रूप से संघर्ष के लिए तैयार रहने को कहा है। ▸▸ 8

उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर को अस्थाई रूप से कुर्क किया गया

मुंबई (ईएमएस): उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर को अस्थाई रूप से कुर्क किया गया है। कुर्की की ये कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से की गई है। ईडी से जुड़ें सूत्रों के अनुसार इस घर की कीमत करीब ३,७१६ करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी के अनुसार अनिल अंबानी और उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ अब तक कुल अटैचमेंट की कार्रवाई ₹१५,००० करोड़ से अधिक की हो चुकी है। आपको बता दें कि इस कार्रवाई से पहले बंबई उच्च न्यायालय ने उद्योगपति अनिल अंबानी को झटका देते हुए एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया, जिसमें उनके एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक खातों को ''धोखाधड़ी वाला वर्गीकृत करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ ने सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंक और लेखा परामर्श कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी की, दिसंबर २०२५ में पारित एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपील को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया था।खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए इसे अवैध एवं विकृत करार दिया था। अनिल अंबानी के वकीलों ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि आदेश पर रोक लगाई जाए ताकि वे उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकें, लेकिन अदालत ने यह मांग ठुकरा दी।अंबानी एवं उनकी कंपनी को अंतरिम राहत देने वाले दिसंबर २०२५ के आदेश को तीनों बैंक ने पिछले महीने चुनौती दी थी। उस आदेश में अनिवार्य भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा गया था कि बैंक वर्षों बाद गहरी नींद से जागे हैं।

बड़े नेता-अफसर समुदाय विशेष को टारगेट नहीं कर सकते

धर्म या जाति के आधार पर बदनाम करने का अधिकार नहीं:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे नेता-अफसर किसी समुदाय को धर्म-जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर निशाना नहीं बना सकते। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना संविधान के खिलाफ है। किसी भी माध्यम से समुदाय को बदनाम करना अस्वीकार्य है। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुसार राज्य या गैर-राज्य अभिनेता सहित कोई भी व्यक्ति भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य कला जैसे किसी भी माध्यम से किसी समुदाय को बदनाम या अपमानित नहीं कर सकता।

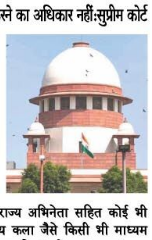

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुयान की बेंच ने नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली फिल्म 'घूसखोर पंडत' पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अलग से यह टिप्पणी की। बेंच ने १९ फरवरी को फिल्म निर्माता नीरज पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड में लेकर याचिका खत्म कर दी। अदालत ने उम्मीद जताई कि विवाद अब खत्म हो जाएगा। जस्टिस भुयान ने अपने ३९ पन्नों के अलग फैसले में कहा कि देश की एकता और समाज में शांति बनाए रखने के लिए भाईचारा बहुत जरूरी है। संविधान की प्रस्तावना में भी सभी नागरिकों के बीच भाईचारा बढ़ाने और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने का वादा किया गया है।

लश्कर ने दी भारत को दहलाने की गीदड़भभकी तटीय सुरक्षा हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली (ईएमएस): आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ और पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सैफुल्ला कसूरी का एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में कसूरी भारत के खिलाफ नफरत उगलते हुए गीदड़भभकी देता नजर आ रहा है। उसने कोडवर्ड का इस्तेमाल करते हुए कहा, २०२५ में हमने आसमान पर राज किया और अब २०२६ में समंदर पर कब्जा करेंगे। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यहाँ आसमान का अर्थ पहाड़ी क्षेत्रों से है, जबकि समंदर पर कब्जे की बात मुंबई जैसे २६/११ हमले को दोहराने की साजिश की ओर इशारा करती है। इस वीडियो की सबसे गंभीर बात यह है कि आतंकी कसूरी ने खुलेआम पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर काम करने की बात कबूली है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

कक्षा 10 के प्रवेश पत्र के साथ पास सर्टिफिकेट भी जरूरी

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर अभ्यास में पहचान सत्यापन के लिए कक्षा १० के एडमिट कार्ड को पास प्रमाण पत्र के साथ पूरक दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस. नायडू द्वारा इस मामले का उल्लेख करने के बाद यह आदेश पारित किया। वकील ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि क्या ऐसे एडमिट कार्ड को एक स्वतंत्र पहचान दस्तावेज के रूप में अनुमति दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने पहले ही निर्देश दे दिया है कि एडमिट कार्ड केवल एक पूरक दस्तावेज होगा। कोर्ट ने कहा कि २४ फरवरी, २०२६ के आदेश के पैरा ३में उल्लिखित सभी दस्तावेज जो अभी तक अपलोड नहीं किए गए हैं और १५ फरवरी से पहले प्राप्त हुए हैं, उन्हें निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों द्वारा कल शाम ५ बजे तक पीठासीन न्यायिक अधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा। पीठ ने कहा कि इसी प्रकार, पैरा ३(सी) को स्पष्ट किया जाता है कि जन्म प्रमाण पत्र और पितृत्व के प्रयोजनों के लिए उत्तीर्ण प्रमाण पत्र के साथ माध्यमिक (कक्षा १०) ▸▸ 8

कम्युनिस्ट नेता आर. नल्लाकन्नू का 101 वर्ष की आयु में निधन

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में सम्मानित हस्तियों में से एक और सीपीआई के आजीवन सदस्य, अनुभवी कम्युनिस्ट नेता आर. नल्लाकन्नू का बुधवार को १०१ वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर १.५५ बजे राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल में आखिरी सांस ली, जहां उनका गहन उपचार चल रहा था। सभी पार्टियों के नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया और उन्हें ईमानदारी, आइडियोलॉजिकल कमिटमेंट और सादगी की निशानी के तौर पर याद किया।

एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़े चैप्टर का मामला, सीजेआई नाराज स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एनसीईआरटी की ८वीं कक्षा की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का चैप्टर शामिल किए जाने पर नाराजगी जताई है। सीजेआई ने कहा- किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच में यह मामला सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने उठाया था। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि मुझे इसकी पूरी जानकारी है। यह पूरे ज्यूडीशियल इंस्टीट्यूशन के लिए चिंता की बात है। यह सोचा-समझा कदम लग रहा है। मैं किसी को भी, चाहे वे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हों, इंस्टीट्यूशन को बदनाम नहीं करने दूंगा। मैं इस मामले पर खुद नोटिस ले रहा हूं।

एनसीआरटी ने २३ फरवरी को जारी नई टेक्स्टबुक 'एक्सप्लोरिंग सोसायटी: इंडिया एंड बियॉन्ड पार्ट २' में 'द रोल ऑफ द ज्यूडीशियरी इन अवर सोसायटी' टॉपिक के अंदर ज्यूडिशियरी में करप्शन का टॉपिक जोड़ा है। इसका पहला पार्ट जुलाई २०२५ में रिलीज किया गया था। ये किताब एकेडमिक सेशन २०२६-२७ से स्कूलों में पढ़ाई जानी है। सोशल साइंस की इस किताब में लिखा गया है- इंसाफ में देरी नाइंसाफी की तरह है। यहां सुप्रीम कोर्ट में ८१ हजार, हाईकोर्ट्स में ६२ लाख ४० हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के ४ करोड़ ७० लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है।

संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा

जब कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कोर्ट इस मामले का स्वतः संज्ञान लेगा। इस पर टिप्पणी करते हुए सीजेआई सूर्य कांत ने कहा कि एक दिन रुकिए। यह निश्चित रूप से पूरी संस्था के लिए चिंता का विषय है। बार और बेंच दोनों ही परेशान हैं। मुझे बहुत सारे फोन और मैसेज मिल रहे हैं। हाई कोर्ट के जज भी परेशान हैं। मैंने पहले ही एक आदेश पारित कर दिया है और इस मामले को स्वतः संज्ञान में ले रहा हूं। मैं किसी को भी संस्था की गरिमा को धूमिल करने और संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा। किसी भी कीमत पर, मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। कानून अपना काम करेगा। मुझे पता है कि इससे कैसे निपटना है।

सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक एम सिंघवी ने सीजेआई की बेंच के सामने कहा- बच्चों को ज्यूडिशियरी में करप्शन का सब्जेक्ट ऐसे पढ़ाया जा रहा है जैसे यह कहीं और, किसी और इंस्टीट्यूशन में है ही नहीं्। यह चिंता का विषय है। हम यहां बार काउंसिल की चिंता लेकर आए हैं। दोनों वकीलों ने कहा कि किताब में ब्यूरोक्रेसी, पॉलिटिक्स वगैरह को छोड़ दिया है। दूसरे सेक्टर्स पर एक शब्द भी नहीं्। वे ऐसे पढ़ा रहे हैं जैसे यह सिर्फ़ इसी ▸▸ 8

30 दिनों तक हिरासत में रहने पर हटाए जाएंगे पीएम-सीएम इस विधेयक पर होगी गैर-एनडीए शासित राज्यों से चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम और सीएम के पदों से संबंधित ३ महत्वपूर्ण विधेयकों की समीक्षा के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति की बुधवार को अहम बैठक हुई. इन विधेयकों में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री ३० दिनों तक हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है. बैठक में १३०वां संविधान संशोधन विधेयक २०२५, जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक २०२५ और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक २०२५ पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया. ३१ सदस्यों वाली इस जेपीसी की यह छठी बैठक थी, जो करीब तीन घंटे तक चली.

समिति ने इस दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ इन विधेयकों के कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की. बैठक में मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य शासन सचिव के अलावा , पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च और इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के वरिष्ठ प्रतिनिधि पेश हुए.

बैठक में सभी ने राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ भारत सरकार की मुहिम का समर्थन किया है. सरकार चाहती है कि पॉलिटिक्स को डेक्रिमिनलाइज़ किया जाये। मध्य प्रदेश सरकार ने सम्पूर्ण समर्थन दिया है. इससे पहले राजस्थान सरकार के प्रतिनिधियों ने भी समर्थन किया था. इसके अलावा दो दूसरे संस्थाओं ने बिल में परिवर्तन का सुझाव दिया है.

अब तक १४ संस्थाओं और २ राज्य सरकारों ने जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी के सामने प्रेजेंटेशन किया है. जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी ने राज्यों का भी दौरा करने का फैसला किया है, जिस दौरान मुख्यमंत्रियों के साथ तीनों महत्वपूर्ण विधायकों पर चर्चा की जाएगी. आज एक सुझाव बैठक में दिया गया कि गैर-एनडीए शासित राज्यों के अधिकारीयों को भी बैठक में बुलाया जाये.

ईमेल से बम की धमकी के बाद धनबाद कोर्ट में सुरक्षा अलर्ट

एसएसपी के नेतृत्व में हाई लेवल सर्च ऑपरेशन

धनबाद (कासं) : धनबाद कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। ईमेल के जरिए भेजी गई धमकी को पुलिस ने बेहद गंभीरता से लिया। सूचना मिलते ही एसएसपी प्रभात कुमार भारी पुलिस बल के साथ तत्काल कोर्ट परिसर पहुंचे और स्थिति की कमान स्वयं संभाली।

धमकी के बाद कोर्ट परिसर की तत्काल घेराबंदी कर दी गई। किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचाव के लिए प्रवेश और निकास द्वारों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। कोर्ट रूम, जजों के चैंबर, रिकॉर्ड रूम, लाइब्रेरी, बार एसोसिएशन हॉल, कैंटीन, पार्किंग क्षेत्र, गार्डन और आसपास के खुले स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई।

पूरे परिसर में सर्च ऑपरेशन कई घंटों तक चला। हर संदिग्ध वस्तु की जांच की गई और किसी भी अनजान पैकेट या लावारिस सामान को विशेष सावधानी के साथ चेक किया गया।

जांच के लिए डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ता को बुलाया गया। रेलवे सुरक्षा बल के दो स्निफर डॉग और सीआईडी धनबाद की टीम एक स्निफर डॉग के साथ मौके पर पहुंची। तीनों स्निफर डॉग की मदद से कोर्ट परिसर से लेकर जेल गेट तक सघन तलाशी ली गई।

इसके साथ ही हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक उपकरणों की सहायता से जांच की गई। पार्किंग में खड़े सभी वाहनों की जांच की गई। कुछ संदिग्ध वाहनों को जब्त कर उनकी भी विशेष जांच की गई। कोर्ट परिसर में प्रवेश करने वाले लोगों से पूछताछ की गई और उनकी तलाशी भी ली गई।

एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। हालांकि, ईमेल के जरिए भेजी गई धमकी की गहन जांच साइबर सेल द्वारा की जा रही है। मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन का पता लगाने के लिए साइबर और टेक्निकल सेल की विशेष टीम को लगाया गया है। आईपी एड्रेस, सर्वर डिटेल और डिजिटल ट्रेल की जांच की जा रही है ताकि जल्द से जल्द आरोपी तक पहुंचा जा सके। जांच पूरी होने के बाद कोर्ट परिसर को पूरी तरह सैनिटाइज किया गया। इसके पश्चात न्यायिक कार्य पुनः सामान्य रूप से शुरू कर दिया गया।

जेल गेट से लेकर पूरे कोर्ट परिसर तक सुरक्षा पहले से ही मजबूत थी, लेकिन धमकी के बाद इसे और अधिक सख्त कर दिया गया है। वॉच टावर से लगातार निगरानी की जा रही है और सभी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है।

इस दौरान एसएसपी प्रभात कुमार के साथ ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, प्रशिक्षु आईपीएस अंकित सिन्हा, जिले के कई डीएसपी और एसडीपीओ समेत बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान मौके पर मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने मिलकर पूरे अभियान की निगरानी की।

पुलिस ने आम नागरिकों और अधिवक्ताओं से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह पर विश्वास न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। एसएसपी ने कहा कि सुरक्षा के साथ जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की दहशत फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बच्चा चोरी की अफवाह पर भीड़ का हंगामा, पुलिस ने संभाला मोर्चा

धनबाद (कासं) : बाघमारा अनुमंडल के ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र अंतर्गत निछानी में चार संदिग्ध महिलाओं को स्थानीय ग्रामीणों ने बच्चा चोर होने के संदेह में पकड़ लिया। ग्रामीणों ने पूछताछ के बाद सभी महिलाओं को ईस्ट बसुरिया ओपी पुलिस के हवाले कर दिया।

सूचना मिलते ही कतरास अंचल के पुलिस निरीक्षक मुकेश चौधरी, तेतुलमारी थाना प्रभारी विवेक चौधरी, पु.नि. सत्येन्द्र यादव, अंगारपथरा ओपी प्रभारी प्रवीण कुमार सहित अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए। हिरासत में ली गई महिलाओं की पहचान बिंदु, इसरावती, सुनीता और रबीन के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी महिलाएं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, मऊ एवं देवरिया की रहने वाली बताई जा रही हैं। महिलाओं ने पुलिस को बताया कि वे बच्चा चोर नहीं हैं। उनमें से एक महिला ने कहा कि वह अपने पति की शराब की लत से परेशान होकर घर छोड़ चुकी है। उनका कहना है कि वे पहले चंद्रपुरा में थीं और धनबाद होते हुए निछानी पहुंचीं। निछानी पुल के पास हाथमुंह धोने और अमरूद तोड़ने के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बच्चा चोर समझकर घेर लिया और मारपीट की।

कतरास अंचल के पुलिस निरीक्षक मुकेश चौधरी ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और कानून अपने हाथ में न लें। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी बच्चा चोरी की आशंका हो तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दें। उन्होंने बताया कि बच्चा चोरी की अफवाहों को रोकने के लिए कतरास अंचल के विभिन्न थाना व ओपी क्षेत्रों में जागरूकता रथ निकाला जा रहा है। इससे पूर्व बरोरा और तेतुलमारी में जागरूकता अभियान चलाया गया था तथा अब ईस्ट बसूरिया और राजगंज में भी जागरूकता रथ निकाला जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के संबंधित जिलों से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर महिलाओं की सत्यता की जांच की जा रही है।

जांच पूरी होने के बाद आगे की उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद जिला परिषद सदस्य मो. इसराफिल उर्फ लाला एवं मुखिया मो. आजाद ने भी लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी सूचना पर उग्र न होने की अपील की है।

क्षेत्रीय कल्याण बोर्ड के सदस्यगणों के साथ महाप्रबंधक की बैठक

जोड़ापोखर (ससे) : बस्ताकोला क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में विभागाध्यक्ष (औ.सं.), बीसीसीएल, कोयलाभवन द्वारा जारी वर्ष २०२६ का वार्षिक कैलेंडर के अनुसार बस्ताकोला क्षेत्र के क्षेत्रीय कल्याण बोर्ड के सदस्यगणों के साथ महाप्रबंधक, बस्ताकोला क्षेत्र की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। चर्चा के दौरान प्रबंधन के तरफ से अपर महाप्रबंधक अशोक कु. शर्मा, परियोजना पदाधिकारी एबीडीकेजिसी/के.ओ.सी.पी. देवेन्द्र सिंह, परियोजना पदाधिकारी, आर.ओ.सी.पी. कमल कांत सिंह, परियोजना पदाधिकारी, बस्ताकोला कोलियरी, चन्द्रशेखर सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक(मानव संसाधन), बस्ताकोला क्षेत्र, सम्भ्रांत पाण्डेय, क्षेत्रीय चिकित्सा पदाधिकारी, सास्वती पंडित, क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रशासन), मनोरंजन कु.सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक (सुरक्षा) अजय कु. सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), एम.डी. सिकंदर, क्षेत्रीय प्रबंधक(वि.यां), निर्मल्य दास, सहायक प्रबंधक (असैनिक), रौनक कुमार आदि उपस्थित रहें। इस अवसर पर हरेराम सिंह, जे.एम.एस. (बा), एम.डी. अख्तर हुसैन, जे.एम.एस.(कु.), मुंद्रिका पासवान, जे.एस.एस. आर.एस.उपाध्या, उ.सी.डब्लू.उ. कालीपद महतो, बी.एम.एस संघ के तरफ से विभिन्न मुदों पर सवाल उठाया गया जिसका उत्तरदायी जवाब विभागों के क्षेत्रीय प्रबंधक के द्वारा दिया। बैठक का समापन महाप्रबंधक, बस्ताकोला क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय कल्याण बोर्ड के सदस्यों से अपील करके किया गया कल्याण के माध्यम से कर्मचारियों कि विभिन्न समस्यों का निवारण किया जायेगा।

खदान में गिरने से युवक की मौत

धनसार (ससे) : झरिया थाना क्षेत्र के बंद बस्ताकोला परियोजना १ में चांदमारी मांझी बस्ती निवासी मो. अमीर शेख (१४) की खदान में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगो ने आननफानन में उसे इलाज के लिए जोड़ाफाटक रोड स्थित ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आमिर की सर पर गंभीर चोटें लगी थी।

चिकित्सक द्वारा मौत की पुष्टि होने पर परिजनों ने शव को अपने घर चांदमारी मांझी बस्ती मजार ले आये। शव को देखने के लिए आसपास के काफी संख्या में लोग जुट गए. वहीं घटना की सूचना मिलते ही धनसार पुलिस पहुंची. वहीं घटना स्थल झरिया एवं धनसार थाना क्षेत्र के बीचों बीच होने के कारण पुलिस असमंजस में फंसी रही। वहीं झरिया पुलिस घटना स्थल पर पहुंची. मृतक के परिजनों से जानकारी लिया. मृतक आमिर के नाना मो. सरफराज आलम ने बताया की आमिर रोजाना की तरह बकरी चराने के लिए गया था. एक बकरी बंद माइंस की तरफ चला गया था।

बकरी को निकालने के क्रम में आमिर की पैर फिसल गया और वह ढलान में गिर गया. घटना की सूचना बस्ती के अन्य दूसरे बच्चों ने आकर ग्रामीणों को दिया . ग्रामीण बस्ती से घटनास्थल की ओर दौड़े तो देखा कि आमिर एक पत्थर पर गिर पड़ा है. उसके सर से काफी खून निकल रहा था। लोगों ने इसकी सूचना अन्य लोगों को देखकर तुरंत एंबुलेंस बुलवाया। लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने आमिर को मृत घोषित कर दिया।

वहीं पुलिस ने घटना को लेकर मृतक के नाना से किसी के ऊपर कोई अप्रिय घटना को अंजाम देने का शंका होने का सवाल किया. जिस पर मृतकों के परिजनों ने इंकार कर दिया। मृतक आमिर दो भाई, उसके पिता की मौत कुछ वर्ष पूर्व हो गई थी। मौत की घटना की बाद मृतक की मां नजमा खातून, बड़ा भाई आसिफ, बहन सनी परवीन, खुशबू परवीन की रो-रो कर बुरा हाल है।

इस संबंध में झरिया इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार का कहना है कि मृतक के परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। उन्होंने लिखित देकर कहा है कि मृतक बकरी चराने के लिए गया था। जिस क्रम में घटना पांव फिसल कर पत्थर से टकराने से मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने शव को परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है।

कृषिगत गतिविधियों को तीव्रता से करने का निर्देश

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने समेकित बिरसा ग्राम योजना सह कृषक पाठशाला की समीक्षा की। इस क्रम में

उन्होंने सभी कार्यकारी एजेंसी को बिरसा ग्रामों में कृषिगत गतिविधियों को तीव्रता से करने का निर्देश दिया। वहीं कृषक पाठशाला गोविंदपुर और अलकडीहा द्वारा बताया गया कि बिरसा ग्रामों में बोरिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कृषक पाठशाला गोविंदपुर में सूकर पालन, मुर्गी पालन शेड बन कर तैयार हो गए हैं। इसपर उप विकास आयुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को सभी भवन की जांच करने का निर्देश दिया और कार्यकारी संस्था को पशुपालन की गतिविधियों शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश दिया। जबकि टुंडी कृषक पाठशाला के भौतिक निरीक्षण उप विकास आयुक्त स्वयं करेंगे। उन्होंने कृषक पाठशाला को कृषकों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख सेंटर के रूप में विकसित करने के लिए सभी एजेंसियों को अचूक रूप से समय बद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी सहित तीनों कृषक पाठशाला के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आठवीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को दिया गया प्रवेश पत्र

धनबाद (कासं) : बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय धनबाद में सादे समारोह में वर्ग ८ की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के बीच प्रवेश पत्र वितरण किया गया। वर्ग शिक्षक संजय कुमार ने बोर्ड परीक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारियों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन हेतु मॉडल टेस्ट पेपर से अभ्यास करने का निर्देश दिया।

विद्यालय प्रधान एनाबेल कण्डूलना के द्वारा सभी बच्चों को भयमुक्त होकर परीक्षा में शामिल होने की बात कही गई। परीक्षार्थियों को कलम भेंट करते हुए इस लेखनी को हमेशा गतिशील रखने का निर्देश देते हुए कहा कि इसकी गतिशीलता में ही शिक्षा की सार्थकता है। मौके पर विद्यालय प्रधान एनाबेल सुषमा कण्डूलना, वर्ग शिक्षक संजय कुमार, रेणु कुमारी, अनुपम सुप्रिया रश्मि, नागेन्द्र प्रसाद, चंद्रदेव प्रसाद गुप्ता, सुमंती सोरेंग,रिंकू कुमारी समेत दर्जनों अभिभावक भी उपस्थित थे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट सखी इमर्शन कार्यक्रम आयोजित

जोड़ापोखर (ससे) : टाटा स्टील और उसकी सामाजिक पहल इकाई, टाटा स्टील फाउंडेशन ने अपने परिचालन क्षेत्रों ६०० से ज़्यादा महिलाओं को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट २०२६ के अंतर्गत आयोजित टाटा एआई सखी इमर्शन कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान किया। इस पहल के माध्यम से जमीनी स्तर की महिलाओं को यह समझने और अनुभव करने का अवसर मिला कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किस प्रकार आजीविका, उद्यमिता और दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकता है। जामाडोबा से २० महिलाएँ टाटा स्टील फाउंडेशन के विभिन्न हस्तक्षेप क्षेत्रों से चयनित बड़े समूह का हिस्सा थीं। इस इमर्सिव कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षित मेंटर्स के मार्गदर्शन में व्यावहारिक एआई अनुप्रयोगों से परिचित कराया गया। इसमें व्यवसाय प्रचार, उत्पाद डिज़ाइन, डिजिटल मार्केटिंग, दस्तावेज़ीकरण सहायता, जानकारी तक पहुँच और कौशल विकास जैसे विषयों पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए।

प्रतिभागियों ने विभिन्न सामुदायिक पहलों का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें महिला समूह, स्वयं सहायता समूह, कृषि और आजीविका कार्यक्रम शामिल थे। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल समावेशन को मौजूदा सामुदायिक क्षमताओं और आजीविका अवसरों के साथ जोड़कर महिलानेतृत्व वाले विकास को सशक्त बनाना था।

जामाडोबा की पेटिया पंचायत की स्वयं सहायता समूह की सदस्य सुनीता देवी ने सामुदायिक प्रभाव पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, इस कार्यक्रम ने हमें समझाया कि गाँव की महिलाएँ घर बैठे एआई के माध्यम से व्यवसायिक अवसरों के बारे में सीख सकती हैं। हमने कई उदाहरण देखे, यहाँ तक कि पुराने समय में शहर कैसे दिखते थेजो किसी चमत्कार से कम नहीं लगा। मैं यह सीख अन्य स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ साझा करूंगी, जो गाँव से बाहर जाने में संकोच करती है। एआई के माध्यम से वे ऑनलाइन व्यवसाय और रोजगार के अवसर तलाश सकती है। मैं अपने गाँव में जागरूकता सत्र आयोजित करने की भी योजना बना रही हूँ।

यह पहल टाटा स्टील फाउंडेशन की उस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत वह तकनीक को जमीनी विकास प्रयासों के साथ जोड़कर महिलाओं के नेतृत्व, आत्मविश्वास और आर्थिक अवसरों को सशक्त बनाने के लिए कार्यरत है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एंशिएंट इंडियन टेक्स्ट, साइंस एंड टेक्नोलॉजी का शुभारंभ

धनबाद(कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद में तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एंशिएंट इंडियन टेक्स्ट, साइंस एंड टेक्नोलॉजी का गोल्डन जुबली लेक्चर थियेटर में भव्य उद्घाटन हुआ। यह सम्मेलन २७ तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को आईसीपीआर व एएनआरएफ का सहयोग प्राप्त है तथा इसका संयुक्त आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, आईएसएम धनबाद और सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम्स द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सम्मेलन के संयोजक एवं डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, आईएसएम धनबाद के अध्यक्ष प्रो. ज्ञान प्रकाश ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने देशभर से आए विद्वानों, शोधार्थियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के दौर में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी के संदर्भ में समझना बेहद जरूरी है।

सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए आईआईटी-आईएसएम के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचीन भारतीय ग्रंथों की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि ज्ञान का अर्थ है समझ, विज्ञान उस ज्ञान का विश्लेषण है और प्रौद्योगिकी विज्ञान का व्यावहारिक रूप है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब विज्ञान समाज और अर्थव्यवस्था के लिए ठोस परिणाम देता है, तो वही प्रौद्योगिकी बन जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में थ्योरी और एप्लिकेशन का संतुलित समन्वय हमेशा से रहा है। मुख्य अतिथि प्रो. सी. डी. सेबास्टियन (आईआईटी बॉम्बे) ने सांख्य थॉट एंड मॉडर्न साइंसः कॉन्वर्जेंस इन द एंशिएंट इंडियन टेक्स्ट सांख्य कारिका विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह प्राचीन सांख्य दर्शन के सिद्धांत आधुनिक वैज्ञानिक सोच से कई स्तरों पर मेल खाते हैं।

विशिष्ट अतिथि स्वामी कृपमयानंद अवधूत ने अपने संबोधन में अध्यात्म, धर्म और साइंस के संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में साइंस को आध्यात्मिक मूल्यों से अलग नहीं देखा गया, बल्कि दोनों को एकदूसरे के पूरक के रूप में समझा गया है।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जो सहसंयोजक प्रो. श्रुति कानूनगो द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का समूह छायाचित्र लिया गया।

उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न तकनीकी सत्रों में देशभर से आए विद्वानों ने प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों, दर्शन, पारिस्थितिकी, न्याय, योग और साइंस से जुड़े विषयों पर अपने शोध प्रस्तुत किए। सम्मेलन अगले दो दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें कई महत्वपूर्ण लेक्चर, रिसर्च पेपर प्रेजेंटेशन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

होली पर्व को ले जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में होली पर्व को लेकर न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि होली पर्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर पालिका चुनाव में विजय होने वाले प्रत्याशियों को विजय जुलूस निकालने के लिए अनुमंडल कार्यालय से अनुमति लेना अनिवार्य है। इसके अलावा चुनाव को लेकर शहर में लगे प्रत्याशियों के झंडे, बैनर, पोस्टर इत्यादि को हटाने का भी आदेश जिला प्रशासन ने दिया है।

उपायुक्त ने कहा कि नगर पालिका चुनाव की तरह होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जिले में फ्लैग मार्च भी निकाला जाएगा। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि शांति समिति की बैठक में जो समस्या प्रकाश में आई है उसका समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हुड़दंगियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने जिले वासियों से ऐसे लोगों की सूचना पुलिस को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि होलीका दहन एवं होली पर्व को लेकर पुलिस २४ घंटे मुस्तैद रहेगी। उन्होंने जिले वासियों को आश्वस्त किया कि अन्य पर्व त्यौहार एवं नगर पालिका चुनाव की तरह होली पर्व भी शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा। बैठक में उपस्थित जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि विभिन्न त्योहार मनाने में धनबाद ने हमेशा मिशाल कायम की है। इस बार भी धनबाद मिसाल कायम करेगा। उन्होंने सभी से सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने और अपनी जिम्मेदारी स्वयं निभाने का अनुरोध किया।

शांति समिति की बैठक में भोला राम, कयुम खान, राम विलास राम, राम गोपाल भुवानिया, अजीत कुमार मिश्रा, मेराज खान, भगत सिंह, मुख्तार खान, बैजनाथ यादव, घनश्याम ग्रोवर, विजय शर्मा, मदन महतो, वीरेंद्र कुमार, अशोक कुमार पाल सहित अन्य सदस्यों ने अपनेअपने सुझाव रखे।

जिसमें मुख्य रूप से अगजा के समय पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था रखने, डस्ट से बचने के लिए सड़क पर जल छिड़काव करने, किसी पर जबरन रंग न डालने, मोहल्लों की साफ सफाई कराने, पर्याप्त पानी की आपूर्ति करने, होली के दिन (४ मार्च को) कोल माइनिंग एरिया में हाइवा जैसे भारी वाहनों का परिचालन बंद रखने, स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत करने, हुड़दंगियों को होली से पहले हिरासत में लेकर थाना में बैठने, बाजार में बिकने वाले रंग एवं अबीर की गुणवत्ता की जांच करने सहित अन्य सुझाव प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने शांति समिति की बैठक में प्राप्त सभी सुझावों का समाधान करने का आश्वासन दिया।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम के अलावा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी और बड़ी संख्या में शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा : विग्रहों का नगर भ्रमण कराया गया

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बीच बाजार स्थित दुदानी कॉलोनी में नवनिर्मित श्री श्री महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे दिन विग्रहों का नगर भ्रमण करवाया गया। कार्यक्रम मंदिर से शुरू होकर ठाकुरबाड़ी तक पहुंची। जहां रंगबिरंगे परिधानों में सुसज्जित महिलाओं ने बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगाए। लोग हर हर महादेव, जय भोलेनाथ करते चल रहे थे।

गाजे बाजे के साथ निकली नगर भ्रमण का समापन पुनः मंदिर परिसर में हुई। नगर भ्रमण में धार्मिक भजनों के उद्घोघोस से वातावरण भक्तिमय हो गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं बच्चे एवं लोग शामिल थे। इससे पूर्व दिव्यार्चन, धन्याधिवास, स्नपम, महास्नान आदि विधि पूर्ण की गई। स्थापित आचार्य दीपक पांडे की अगुवाई में आयोजित समारोह में शाम को संध्या आरती की गई। २६ फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा, हवन, पूर्णाहुति एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में राखाल चंद्र तिवारी, संजय अग्रवाल, दिनेश मंडल, छोटू तिवारी, विनोद साव, बीके सिंह, प्रदीप साव, नारायण सेन, गौर दास धनंजय सिंह नवीन सिंह, संतोष साव, सत्यनारायण साव, कृटि रूज, संजय भगत आदि थे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद पीएन सिंह, भाजपा नेत्री तारा देवी आदि भी शामिल हुए।

आदिवासी परंपरा, प्रकृति प्रेम का जीवंत उदाहरण है बाहा पर्व

धनबाद (कासं) : लटानी आदिवासी टोला में संथाल समाज का पवित्र त्योहार बाहा पर्व मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सोनोत संथाल समाज के पूर्वी टुंडी प्रखंड अध्यक्ष संदीप हांसदा उपस्थित हुए। नायकी बाबा सोमभरी मरांडी ने जाहेरथान में विधिवत पूजा अर्चना की। संदीप हांसदा ने बताया कि बाहा पर्व आदिवासी परंपरा को मजबूत करते हुए पर्यावरण को संतुलन रखने का संदेश देता है।

यह पर्व आदिवासी परंपरा, प्रकृति प्रेम और सामूहिक समरसता का जीवंत उदाहरण है। इस मौके पर मांझी बाबा कालीपद मरांडी, बबलू बास्की, अजीत हांसदा, सुबल दास, सुनील मरांडी, मोनो हांसदा आदि उपस्थित थे।

उम्मीदवार प्रतिनिधियों को दिया मतगणना का प्रशिक्षण

धनबाद (कासं) : नगर निकाय निर्वाचन के बाद मतगणना हेतु उम्मीदवार या उनके प्रतिनिधियों को मतगणना का प्रशिक्षण न्यू टाउन हॉल में दिया गया। प्रशिक्षण देते हुए मुख्य प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण ने कहा कि राजकीय पॉलिटेक्निक में २७ को पूर्वाह्न ८ बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। पहले वार्ड १, ६, ११, १६, २१, २६, ३१, ३६, ४१, ४६ और वार्ड ५१ के मतों की गिनती प्रारंभ होगी। तत्पश्चात क्रमवार वार्ड की गणना की जाएगी। वहीं मतगणना की प्रक्रिया बताते हुए उन्हें मतपेटिका के सील की स्थिति, पेपर सील की जानकारी, वैध और अवैध मतों की स्थिति के बारे में बताया गया। पहले वार्ड पार्षद/सदस्य के मतों की गिनती होगी और फिर महापौर/अध्यक्ष के मतों की गिनती की जाएगी। उन्हें बताया गया कि मतगणना हॉल में मोबाइल ले जाना, धूम्रपान या तंबाकू का सेवन वर्जित रहेगा, सभी को शांति बनाए रखनी है तथा निर्वाची पदाधिकारी के आदेशों का मतगणना हॉल में अनुपालन करना है। अन्य मास्टर ट्रेनर राज कुमार वर्मा एवं कुमार वंदन ने भी प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में विभिन्न वार्डों के कुल ९७ उम्मीदवार या उसके प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डीडीसी ने की रुर्बन मिशन व आदर्श ग्राम योजना की समीक्षा

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने रुर्बन मिशन एवं आदर्श ग्राम योजना की समीक्षा की। उप विकास आयुक्त ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य रुर्बन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा एवं निगरानी करना है। साथ ही इसका प्रमुख फोकस रुर्बन पार्क के नवीनीकरण को आजीविका विकास गतिविधियों से जोड़ना, प्रस्तावित प्रमुख गतिविधियों में मत्स्य पालन, बत्तख पालन, पॉलीहाउस एवं ग्रीनहाउस के माध्यम से मौसमी सब्जी एवं फूलों की पौध तैयार करना, अमरूद एवं केला बागवानी, समुदाय आधारित आजीविका गतिविधियों का संवर्धन, वर्मी-कम्पोस्ट इकाई की स्थापना आदि शामिल करना है।

इस अवसर पर परियोजना प्रबंधक, कौशल विकास एवं आजीविका (डीएमएफटी) अमर कुमार श्रीवास्तव ने पीपीटी एवं डीपीआर के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया, जिस पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सभी अधिकारियों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विचारविमर्श किया गया।

बैठक समापन से पहले उप विकास आयुक्त ने योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय तथा गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, बलियापुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाष चन्द्र दास, जेएसएलपीएस के डीपीएम सुदिप्तो बनर्जी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

कलेक्ट्रेट में बनेगा डाटा सेंटर सह ट्रेनिंग सेंटर

धनबाद (कासं) : आंगनबाड़ी सेविका तथा जिला प्रशासन के अन्य कर्मियों को आईटी की ट्रेनिंग देने के लिए कलेक्ट्रेट में डाटा सेंटर सह ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। यह निर्णय उप विकास आयुक्त सन्नी राज की अध्यक्षता में आज आयोजित डिस्ट्रिक्ट ई गवर्नेंस सोसायटी की बैठक में लिया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि कलेक्ट्रेट में ५० कंप्यूटर के साथ डाटा सेंटर सह ट्रेनिंग सेंटर बन जाने से

जिला स्तर पर आंगनबाड़ी सविका सहित अन्य कर्मियों को आईटी से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। विशेष कर इसमें आंगनबाड़ी सेविकाओं को विभिन्न ऐप चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। बैठक में हाई स्पीड इंटरनेट लीज लाइन लेने पर भारत संचार निगम लिमिटेड के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की गई। साथसाथ ई डिस्टिक मैनेजर कार्यालय के सुदृढ़ीकरण, टेलीकॉम टावर अधिष्ठापन सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गई।

बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुनीता तुलस्यान, जिला परियोजना पदाधिकारी यूआइडीएआइ अमित कुमार, बीएसएनएल के एजीएम जी.एन. दास, सीएससी मैनेजर मो. अंजार हुसैन व अन्य लोग मौजूद थे।

शहीद स्मारक पर नेपाल रवानी की मनाई गई शहादत दिवस

केन्दुआ (ससे) : गोधर मोड़ स्थित झारखंड आंदोलन के जुझारू योद्धा, मजदूरों के मसीहा शहीद नेपाल रवानी का ३६वां शहादत दिवस शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्यजन, आंदोलनकारी साथी, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संगठनों एवं राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत शहीद की पत्नी सावित्री देवी एवं उनके परिजनों के द्वारा शहीद नेपाल रवानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पूरा वातावरण शहीद तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुँचाएंगे, नेपाल रवानी अमर रहें जैसे नारों से गूंजता रहा। इससे पूर्व शहीद मैदान में हरिप्रसाद पप्पू के नेतृत्व में जुलूस निकाल कर, शहीद नेपाल रवानी की तस्वीर एवं रसिक हांसदा की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर माले के नेताओं एवं कार्यकर्ताओ ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि झारखंड आंदोलन के शहीदों का बलिदान राज्य की अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई का आधार स्तंभ है।

नेताओं ने कहा कि आज जरूरत है कि शहीदों के सपनों के अनुरूप समाज में न्याय, समानता और सम्मान की स्थापना की जाए। हरिप्रसाद पप्पू ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद नेपाल रवानी ने १९८० के दशक में झारखंड आंदोलन के दौरान क्षेत्रीय अधिकार, सामाजिक न्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद की थी। उनका जीवन संघर्ष, साहस और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इतिहास से प्रेरणा लेकर समाज और राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान शहीद स्मारक स्थल को फूलमालाओं से सजाया गया था। स्थानीय महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। कई सामाजिक संगठनों ने शहीद के आदर्शों पर चलने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम का आयोजन झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के जिला समिति के द्वारा आयोजित की गई।

मुख्य अथिति पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल उपस्थित हुए। इस दौरान झामुमो के जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, जिला सचिव मन्नू आलम, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, संगठन सचिव मनोज रवानी, जिला प्रवक्ता समीर रवानी, आकाश रवानी, व्यावसायिक मोर्चा के राजेश जालान, मिराज खान, केंद्रीय सदस्य रमेश टुडू, अमित महतो, झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन के बीसीसीएल जोन के अध्यक्ष उमाशंकर चौहान, रतिलाल टुडू, नकुल महतो, प्रवीण लाला, किशोर मुर्मू, कांग्रेस के लोकप्रिय नेता वैभव सिन्हा, माले नेता हरि प्रसाद पप्पू, नन्दलाल महतो, महादेव हांसदा, कुसुंडा क्षेत्र के महाप्रबंधक निखिल बी त्रिवेदी, डीएवी कुसुंडा एवं नेपाल रवानी स्मारक स्कूल के शिक्षकगण एवं बच्चे. मोहन राम, पप्पू कुमार. स्थानीय पार्षद प्रत्याशी करमी देवी. मथुरा प्रसाद महतो के भाई बसंत महतो, शिव प्रसाद महतो, केंदुआडीह पुलिस थानाप्रभारी प्रमोद पाण्डेय ने श्रद्धांजलि अर्पित किये। अतिथियों का स्वागत और कार्यक्रम को सफल बनाने में शहीद पुत्र सह झामुमो के जिला उपाध्यक्ष अजय रवानी, बिट्टू रवानी पिंटू रवानी ने अहम योगदान रहा।

मौके पर अखिल भारतवर्ष से चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के शंकर रवानी, जिला अध्यक्ष विनोद रवानी, चंद्रवंशी महासभा के महिला प्रकोष्ठ है प्रदेश अध्यक्ष सह जिला परिषद उपाध्यक्ष धनबाद, झारखंड प्रदेश सचिव गुड्डू रवानी, महामंत्री संतोष रवानी, जिला कोषाध्यक्ष अजय रवानी, जिला सचिव संजय रवानी, पिंटू रवानी, गणेश रवानी, पूर्व जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम रंजन, अमरजीत चंद्रवंशी, परमेश्वर रवानी, स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि वार्ड नंबर १३ कर्मी देवी, गणेश दास, अरुण दास, उमेश दास, बंटी विश्वकर्मा, राजेश राम, अभिषेक कुमार, दिलीप चौहान, राजू चौहान, भागीरथ रवानी, संतोष रवानी, आदि उपस्थित थे।

जिलेभर में चला सघन एंटी क्राइम अभियान, 1265 वाहनों की जांच

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना रहा। अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग कर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। कुल १२६५ वाहनों की जांच की गई। इस दौरान वाहन सवार व्यक्तियों की पहचान सत्यापित की गई और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई। पुलिस ने विशेष रूप से चोरी हुए वाहनों की पहचान के लिए दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। इसके साथ ही अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया गया। अवैध जुआ और लॉटरी के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए संबंधित ठिकानो पर छापेमारी की गई।यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से नशे में वाहन चलाने वालों की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालान काटे गए और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। एसएसपी ने बताया कि जिले में कानून का राज कायम रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से इस प्रकार के एंटी क्राइम अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

शिविर में लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

बलियापुर (ससे) : बलियापुर लायंस क्लब की ओर से डायग्नोस्टिक सेंटर में नि:शुल्क ब्लड प्रेशर जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दो दर्जन से भी अधिक लोगों की जांच की गई। उपस्थित लोगों को मधुमेह बीमारी से बचाव से संबंधित आवश्यक जानकारियां दी गई। शिविर में टेक्नीशियन संजीत भंडारी, क्लब के अध्यक्ष देवव्रत मुखर्जी, सचिव शंकर रविदास, गिरधारी लाल अग्रवाल, अशोक श्रीवास्तव, माणिक मंडल, संदीप साहू, अंकित लिख्मनिया आदि थे।

शहीद नेपाल रवानी की शहादत दिवस मनी

जोड़ापोखर (ससे) : झारखंड आंदोलनकारी नेता शहीद नेपाल रवानी का शहादत दिवस झरिया विधानसभा अंतर्गत मदन राम के आवासीय कार्यालय में शाहिद नेपाल रवानी के फोटो पर माला पहनाकर उनके जीवन के संघर्षों के बारे में बताते हुए मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा के महानगर उपाध्यक्ष मदन राम, अनवर अंसारी, जिर्तेंद्र पासवान, साहब शेख, लखी प्रमाणिक, गोवर्धन यादव, भगवान सिंह, बादशाह खान, जसीम अंसारी, मोहम्मद सनालाउल, शकीला बानो, सकीना परवीन आदि मौजूद थी।

आनंद मेला में पहुंचे पूर्व विधायक सह मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह

धनबाद/झरिया (कासं) : संजीव सिंह (पूर्व विधायक सह धनबाद मेयर प्रत्याशी) केडीएम पब्लिक स्कूल, झरिया में आयोजित आनंद मेला कार्यक्रम में शामिल हुए। विद्यालय परिसर में आयोजित इस उत्सव का शुभारंभ उन्होंने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के कद्दावर नेता एवं विद्यालय के संस्थापक स्व. के.डी. मिश्रा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय परिवार की ओर से पुष्पगुच्छ देकर उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

आनंद मेला में बच्चों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉल और काउंटरों का संजीव सिंह ने अवलोकन किया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए व्यंजन, हस्तनिर्मित सामग्री एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों को देखकर उन्होंने बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हैं। सभी प्रतिभागी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए उन्होंने उनके आत्मविश्वास एवं कौशल के निरंतर विकास के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, आयोजकों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

जर्जर हीरक रोड बनी 'डेथ ट्रैप', विभाग की लापरवाही के खिलाफ भाकपा माले और ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

बलियापुर/सिंदरी : बलियापुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हीरक रोड (बालाजी पेट्रोल पंप से भिखराजपुर तक) वर्तमान में अपनी बदहाली के आंसू रो रही है। ढांगी मोड़, कर्माटांड़, धोखरा, पलानी और अमझौर होते हुए गुजरने वाली यह सड़क इतनी जर्जर हो चुकी है कि यहाँ प्रतिदिन भीषण दुर्घटनाएं हो रही हैं। विभाग की इस घोर लापरवाही के कारण अब तक दर्जनों परिवार उजड़ चुके हैंकिसी ने अपना बेटा खोया है, तो किसी ने अपना सुहाग।

भाकपा माले के सक्रिय कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और सिंदरी विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता ने सड़क की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पाया कि सड़क पर बने जानलेवा गड्ढे मौत को दावत दे रहे हैं। विडंबना यह है कि जब किसी मंत्री या बड़े अधिकारी का आगमन होता है, तो रातोंरात फंड की व्यवस्था हो जाती है और सड़कें चमकने लगती हैं। लेकिन जो जनता अपनी गाढ़ी कमाई से टैक्स भरती है, उसे प्रशासन ने मौत के मुंह में ढकेल दिया है।

निरीक्षण के दौरान ही एक भीषण घटना सामने आई, जहां एक अज्ञात स्कॉर्पियो गाड़ी एक राहगीर को घायल कर फरार हो गई। इसकी सूचना स्वयं घायल राहगीर फटीक रवानी जो की कर्माटांड़ के ढांगाटाड़ के निवासी ने मौके पर मौजूद प्रतिनिधियों को दी। प्रधान कांटासिंदूरपुरमोविंदपुर रोड बंद होने के कारण भारी वाहनों का दबाव इसी जर्जर सड़क पर बढ़ गया है, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई है।

मौके पर उपस्थित विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, जयपाल महतो, अमित बनर्जी सत्येंद्र महतो शिवा महतो, राजेश दास, अविनाश महतो, दिलीप महतो, गोऊर मंडल सुबल मंडल तरुण माझी, अनिल महतो राजाराम रवानी आमोद बाउरी, विभूति महतो उर्फ बापू मदन महतो बलदेव महतो चंदन भूमिहार रंजीत महतो और अन्य साथियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सड़क की मरम्मत का कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू किया जाए।

भारी वाहनों के दबाव को देखते हुए रोड की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। यदि प्रशासन जल्द नहीं जागा, तो क्षेत्र की जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाकपा माले सक्रिय लोग एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

काउंटिंग सुपरवाइजर व काउंटिंग असिस्टेंट का प्रशिक्षण संपन्न

धनबाद (कासं) : श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट महिला महाविद्यालय के प्रशिक्षण केंद्र में टेबल पर मतपत्रों की गिनती करने वाले काउंटिंग सुपरवाइजर एवं काउंटिंग असिस्टेंट का अंतिम प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में ५४० कर्मी उपस्थित थे।

इस मौके पर प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने मतगणना कर्मियों को आवश्यक सुझाव और निर्देश दिए। प्रशिक्षण में मतपेटिका के सील को खोलने, मतपत्रों को मतपेटिका से निकालकर मतलेखा से मिलान करने, वैध व अवैध मतपत्रों के वर्गीकरण, निर्वाचन मतगणना प्रपत्र १९ और २० को भरने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में दिलीप कुमार कर्ण, संजय कुमार, राज कुमार वर्मा, कुमार वंदन, उमेश लाल, नीरज कुमार प्रसाद आदि उपस्थित थे।

संत शिरोमणि सुपन सुदर्शन भक्त महाराज जी की जयंती मनी

धनबाद (कासं) : पुराना बाजार टैम्पल रोड में आराध्य देव कुलगुरु संत शिरोमणि सुपन सुदर्शन भक्त महाराज जी की जयंती श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं एवं श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर संत शिरोमणि सुपन सुदर्शन भक्त महाराज जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम का आयोजन भारतीय सुदर्शन समाज महासंघ, झारखंड प्रदेश युवा प्रगति संगठन डोम समाज धनबाद एवं धनबाद महानगर कमिटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम संत शिरोमणि सुपन सुदर्शन महाराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए समाज के विकास व उत्थान को लेकर एकजुटता का संकल्प लिया गया। महानगर कार्यकारी अध्यक्ष बिरजन राम ने कहा महर्षि सुपन सुदर्शन महाराज जी का द्वापर युग में जन्म हुआ था। उनका परिवार पेशे से बांस का काम करता था। हमारे पूर्वज भी पहले बांस का काम किया करते थे। संत शिरोमणि सुपन सुदर्शन भक्त महाराज जी के जीवन, उनके त्याग, समाज सुधार एवं आध्यात्मिक विचारों पर प्रकाश डाला गया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान भजन-एवं समाज के उत्थान से संबंधित विचारविमर्श किया गया। महानगर के कार्यकर्ता उपाध्यक्ष गोविंद राम, सूरज राम, सचिव मानना राम, महामंत्री प्रीतम राम, संगठन सचिव अरुण राम, संगठन मंत्री देवा राम, प्रवक्ता रवि राम, सूचना मंत्री रिंकु राम, सलाहकार मनोज प्रसाद, आजाद राम, कार्यकारणी राजा राम आदि मौजूद थे।

स्वास्थ्य सहिया क्लस्टर का होली मिलन समारोह

धनबाद (कासं) : स्वास्थ्य सहिया जयरामपुर क्लस्टर की ओर से जयरामपुर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमं सहिया एवं सहिया साथी उपस्थित थीं। सभी लोगों ने एकदूसरे को रंगगुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

समारोह के दौरान रंग बरसे भीगे चुनरवाली और आज बिरज में होली रे रसिया जैसे पारंपरिक होली गीत गाकर सभी खूब झूमे और उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह रंगोत्सव में सराबोर रहा। इस अवसर पर सहिया साथी रेखा भट्ट एवं सहिया शांति देवी ने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने गिलेशिकवे भुलाकर एकदूसरे से गले मिलते हैं, जिससे आपसी प्रेमभाव और भी मजबूत होता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस त्यौहार पर बुराई को दूर भगाएं और अच्छाई को अपने जीवन में उतारें। साथ ही एकदूसरे के सहयोग और सद्भाव की भावना को बनाए रखने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि सभी बहनें एक परिवार की तरह हैं और दुखसुख में एकदूसरे के साथ खड़ी रहती हैं। कार्यक्रम में लक्ष्मी दुबे, रेखा साहनी, मीना देवी, संजू कुमारी, रानी देवी, सुलेखा देवी, सुनीता देवी, पूनम देवी, सरिता देवी, मुन्नी देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद में फागुन उत्सव 2 को

बोकारो (ससे) : बोकारो में मिथिलामैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से इस वर्ष भी भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। मिथिलांचल के पारंपरिक गीतनाद, गायनबादन आदि कार्यक्रमों के साथ आगामी २ मार्च (सोमवार) को परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में संध्या ६:३० बजे से फगुआ महोत्सव आयोजित किया जाएगा। मंगलवार देर शाम मिथिला एकेडमी के विद्यापति सभागार में हुई परिषद कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से इस आशय का निर्णय लिया गया।

परिषद के निदेशक मंडल संयोजक राजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में होली मिलन कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर पांचसदस्यीय एक समिति भी बनाई गई, जिसमें उपाध्यक्ष समरेंद्र झा के नेतृत्व में वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर, एसके झा, अविनाश झा अवि, तरुण झा और विजय कुमार मिश्र अंजू शामिल किए गए।

बैठक में उक्त लोगों के अलावा मुख्य रूप से परिषद निदेशक मंडल के सदस्य कृष्ण चंद्र झा, विजय कुमार झा, महासचिव नीरज चौधरी, विद्यालय के सचिव दिलीप कुमार झा व परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक सहित प्रदीप कुमार, प्रकाश, प्रदीप झा, सुशील कुमार झा, अरविंद कुमार मिश्रा, शिवेश पाठक, सुनील मोहन ठाकुर, आनंद नारायण मिश्रा, सुदीप कुमार ठाकुर, रोशन कुमार तरुण आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि व प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा में चार विद्यार्थी बने स्टेट टॉपर

बोकारो (ससे) : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः अपनी मेधाविता एवं वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवाया है। नॉलेज एंड अवेयरनेस मैपिंग प्लेटफॉर्म (केएएमपी) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा (एनएएसटीए) में लगातार चौथे साल डीपीएस बोकारो का दबदबा झारखंड में बरकरार रहा।

केवल राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकित टॉपरों में इस विद्यालय के छात्रछात्राओं ने औसतन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और यह उपलब्धि अर्जित करने वाला डीपीएस बोकारो झारखंड का एकमात्र विद्यालय बना। देशभर के सीबीएसई अचीवर्स में कुल १५ स्टेट टॉपर चुने गए, जिनमें चार डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी रहे। वहीं, आठ डिस्ट्रिक्ट अचीवर्स में आधे इसी स्कूल के बच्चे रहे। इनके अलावा पांच विद्यार्थी क्लास अचीवर्स की फेहरिस्त में शामिल रहे। इस प्रकार, कुल १३ विद्यार्थियों ने शानदार कामयाबी दर्ज की। बुधवार को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इस बेहतरीन परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नेशनल असेसमेंट फॉर साइंटिफिक टेम्परामेंट एंड एप्टीट्यूड (एनएएसटीए) - २०२५ के कक्षावार स्टेट टॉपरों में विद्यालय की आठवीं कक्षा के छात्र प्रत्यूष कुमार, सातवीं के सात्विक रूपम द्विवेदी, छठी कक्षा के अनिकेत सिंह और पांचवीं के विद्यार्थी दीप्तांशु कुमार के नाम शामिल हैं। इन सभी को ए प्लस ग्रेडिंग के साथ सर्टिफिकेट ऑफ स्टेट एक्सीलेंस प्रदान किए गए हैं। वहीं, डिस्ट्रिक्ट टॉपर्स में शामिल कक्षा ६ के अक्षत स्पर्श, आठवीं के आलोक कुशवाहा, पांचवीं के दिव्यांशी राज और कक्षा ७ के सजग सूर्यांश पांडेय को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथसाथ ए प्लस की ग्रेडिंग भी दी गई है। इसके अलावा, अपनी कक्षाओं में ओम प्रकाश पात्रा, प्रत्यूष ठाकुर, अभिराज सिंह, ईशान स्नेही और अभिरूप अव्वल रहे। स्टेट टॉपरों को निकट भविष्य में नई दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया जाएगा। विगत ०५ दिसंबर २०२५ को आयोजित उक्त परीक्षा में देशभर से विभिन्न स्कूलों के कक्षा ३ से १२ तक के लाखों विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इसका परिणाम कुछ दिन पूर्व ही जारी किया गया।

उल्लेखनीय है कि केएएमपी-एनएएसटीए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सीएसआईआर (काउंसिल फॉर साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च) तथा एनआईएसपीआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन पॉलिसी रिसर्च) की एक महत्वपूर्ण पहल है।

एनएएसटीए का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति को पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है, जो कि केएएमपी के अर्थपूर्ण शिक्षा और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने से संबंधित मिशन का हिस्सा है। यह छात्रछात्राओं के वैज्ञानिक गुणों का मूल्यांकन करता है, जिसमें पहचान, अवलोकन, वर्गीकरण, समस्या समाधान, सटीकता, पूर्वानुमान, आलोचनात्मक सोच और व्याख्या जैसे आठ प्रमुख वैज्ञानिक गुण शामिल हैं।

एनएएसटीए में लगातार चौथे साल शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने नेशनल व स्टेट टॉपरों के साथसाथ सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने छात्रछात्राओं के शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सर्वांगीण विकास को लेकर कटिबद्ध है।

इसी का परिणाम है कि विज्ञान एवं तकनीक से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं में यहां के विद्यार्थियों ने न केवल अपने स्कूल, बल्कि अपने शहर और राज्य का नाम भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि केएएमपी-एनएएसटीए का उद्देश्य विद्यार्थियों के वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्वभाव की पहचान करते हुए एवं उन्हें संरक्षित कर भारत को विज्ञान, तकनीक एवं मानवता के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाना है। पिछले लगातार चार वर्षों से डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी एनएएसटीए में राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त करते आ रहे हैं।

जीटी रोड पर अंतहीन जाम का सिलसिला जारी

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर में जीटी रोड पर बुधवार को सुबह से लेकर रात तक भीषण जाम रहा। जाम का सिलसिला सुबह ८ बजे से शुरू हुआ जो रात ९ बजे तक जारी रहा। जीटी रोड के दिन भर जाम रहने का प्रभाव टुंडी रोड और बलियापुर रोड पर भी पड़ा और दोनों रोड में भी वहां की लंबीलंबी का कतार लग गई। इस दौरान शादीब्याह के लगन को लेकर गोविंदपुर की ओर से होकर गुजरने वाले लोग तबाह रहे।

विवाह की अनेक गाड़ियां जाम में फंसी रही। इसके अलावा सीबीएसई बोर्ड के परीक्षार्थी, झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ११वीं वर्ग के परीक्षार्थी, मरीज लदे एम्बुलेंस भी जाम में फंसे रहे। जीटी रोड पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह अस्तब्यस्त रहा। ट्रैफिक पुलिस जब जाम को नियंत्रित नहीं कर पाई तो गोविंदपुर पुलिस इंस्पेक्टर विष्णु प्रसाद राउत खुद दल बल के साथ सड़क पर उतरे परंतु जाम ने इतना भयंकर रूप ले लिया था कि उन्हें भी सफलता नहीं मिली। जिला शांति समिति की बैठक में शामिल होने जा रहे निरसा पुलिस अनुमंडल एवं टुंडी प्रखंड इलाके के पुलिस अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी भी जाम में फंस गए।

गोविंदपुर में जाम की समस्या के समाधान को लेकर नागरिक समिति के सदस्यों और मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र रजक ने टाउन हॉल में वरीय पुलिस अधीक्षक को आवेदन दिया और जाम की समस्या के तत्काल समाधान की मांग की। पिछले तीन दिनों से गोविंदपुर में जीटी रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

सुबह से लेकर रात तक जीटी रोड के दोनों लेन पूरी तरह ठप रहा। इससे लोगों को आनेजाने में भारी फजीहत झेलनी पड़ी। ऊपर बाजार का तिराहा से लेकर फकीरडीह तिराहा तक पूरी तरह जाम रहा। जाम के दौरान गाड़ियों की कतार जीटी रोड के कालाडीह मोड़ से लेकर बागसुमा के नेरो मोड तक तक लग गई और लोग त्राहित्राहि करते रहे। गोविंदपुर बाजार के कई दुकानदारों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से खरीद बिक्री कम हो रही है। जीटी रोड जाम होने के कारण लोगों का सड़क के इस पार से उस पार होना मुश्किल हो गया है।

एलिवेटेड रोड निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एसके चौधरी ने बताया कि उन्होंने घेराबंदी के अंदर ही दिन में काम करने का निर्देश दिया है और तोड़फोड़ का निर्देश रात में करने का दिया गया है, ताकि सड़क जाम की समस्या पैदा न हो। उन्होंने कहा कि कंपनी ने भी ट्रैफिक नियंत्रण के लिए १५ लोगों को बहाल कर रखा है पर नागरिकों द्वारा शिकायत मिल रही है कि बहाल लोग ट्रैफिक नियंत्रण पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस कारण स्थिति विकेट हो जा रही है उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियंत्रण में लगे लोग यदि ईमानदारी से काम नहीं करेंगे तो वैसे लोगों को हटाकर दूसरे लोगों को मौका दिया जाएगा।

संपर्क करने पर ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि वह बाहर से धनबाद लौट रहे हैं और गुरुवार को खुद गोविंदपुर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे और जो भी रास्ता होगा उसे अपनाया जाएगा तथा गोविंदपुर के लोगों को जाम से मुक्ति दिलाई जाएगी। इधर नागरिकों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस यातायात नियंत्रण नहीं कर पा रही है और ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है यही कारण है कि पिछले तीन दिनों से गोविंदपुर में सुबह से लेकर शाम तक जाम लग रहा है और यातायात पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गिरिडीह
समाहरणालय भवन, तृतीय तल्ला पपरवाटांड़, गिरिडीह- 815311.
E-mail Address:-jepgiridih123@gmail.com

पीएम श्री विद्यालयों के सौन्दर्यीकरण (School Aesthetics) के लिए सामग्री आपूर्ति कराने हेतु आमंत्रित अति अल्पकालिन निविदा की सूचना

जिलें में संचालित 19 पीएम श्री विद्यालयों के सौंदर्यीकरण **(School Aesthetics)** का शशैक्षणिक सत्र 2025–26 में सामग्री आपूर्ति करने हेतु निविदा GeM Portal के माध्यम से आमंत्रित किया गया है बिड संख्या GEM/2026/B/7283326 दिनांक 24.02.2026 है। निविदा डालने की अंतिम तिथि 06.03.2026 के 5.00 बजे अपराह्न निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरणी GeM Portal पर उपलब्ध है। इच्छुक निविदादाता GeM portal के माध्यम से ऑनलाईन निविदा में भाग ले सकते हैं।

जिला शिक्षा पदाधिकारी –सह–
जिला कार्यकम पदाधिकारी,
गिरिडीह

PR 373577 Jharkhand Education Project Council(25-26)#D

जिला परिषद कार्यालय, जामताड़ा
Email Id: zilaparishad_jamtara@yahoo.com

अति–अल्पकालीन ई0 पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना सं0–
ZILA/PARISHAD/JAMTARA/RE/14 /2025-26

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0	ग्रुप सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1		2	3	4	5	6
1	17	जामताड़ा प्रखण्ड अन्तर्गत चालना में दाग संख्या–3240 में स्थास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण।	55,5,0000.00	1,11,000.00	10,000.00	9 माह
2	18	जामताड़ा प्रखण्ड अन्तर्गत उदलबनी में दाग संख्या–1365 में स्थास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण।	55,5,0000.00	1,11,000.00	10,000.00	9 माह
3	19	करमाटॉड़ प्रखण्ड अन्तर्गत सुब्दीडीह में दाग संख्या–1094/A में स्थास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण।	55,5,0000.00	1,11,000.00	10,000.00	9 माह
4	20	करमाटॉड़ प्रखण्ड अन्तर्गत सिकरपोसनी में दाग संख्या–1227/A में स्थास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण।	55,5,0000.00	1,11,000.00	10,000.00	9 माह
5	21	फतेहपुर प्रखण्ड अन्तर्गत षिमलाडंगाल में दाग संख्या–1019 में स्थास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण।	55,5,0000.00	1,11,000.00	10,000.00	9 माह
6	22	कुण्डहित प्रखण्ड अन्तर्गत गढ़जोरी में दाग संख्या–970/A में स्थास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण।	55,5,0000.00	1,11,000.00	10,000.00	9 माह

2.	वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	28.02.2026
3.	ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	:–	दिनांक–07.03.2026 (अपराह्न 5:00 बजे)
4.	D.D.C.-cum-C.E.O., Zila Parishad, Jamtara निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate एवं Affidavit (Section-X) जमा करने की तिथि एवं समय	:–	09.03.2026 (अपराह्न 5:00 बजे)
5.	निविदा खोलन के स्थान	:–	कार्यपालक अभियंता,ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
6.	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	:–	10.03.2026 (अपराह्न 2:00 बजे)
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	:–	जिला अभियंता, जिला परिषद, जामताड़ा।
8.	ई0–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष संख्या	:–	9973957543

9.अधोहस्ताक्षरी/सक्षम पदाधिकारी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकारी सुरक्षित है।
10.निवदिा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक जो D.D.C.-cum-C.E.O., Zila Parishad, Jamtara के पदनाम से देय हो, देना होगा एवं ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा कार्यालय में जमा लिया जाएगा।
11.B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है।
12.10 (दस) प्रतिशत से अधिक न्यून निविदाओं के लिए प0नि0वि0 के संकल्प सं0–2146 (एस) दिनांक 09.09.2020 के अनुसार Additional Performance Security के रूप में परिमाण विपत्र की राशि से–(i) 10% से 20% प्रतिशत below तक की राशि का 20% तथा (ii) 20% प्रतिशत से अधिक below तक की राशि का 30% राशि एकरारनामा के समय जमा करना होगा। साथ ही साथ वर्णित संकल्प के अनुसार ही कार्य आवंटन पर विचार किया जाएगा। वैध एवं समान दर की निविदाओं के मामले में निविदा का निष्पादन पारदर्शी तरीके से लौटरी की पद्धति द्वारा की जायेगी।
13.उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, जामताड़ा का पत्रांक–51/जि0परि0, दिनांक–03.02.2026 के क्रम में उक्त योजनाओं का कार्यान्वयन जिला परिषद, जामताड़ा द्वारा किया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कायालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता,जिला परिषद,जामताड़ा

PR 373618 Rural Development(25-26).D

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN No. U40108JH2013SGC001702)
ELECTRIC SUPPLY CIRCLE, CHAS
Reg. Office : Chas Block Road, ITI More, Chas, (Bokaro), Pin- 827013, Email ID- esechas011@gmail.com

TENDER NOTICE

Sealed Tender in two parts Part-I (Technical and Commercial) and Part-II (Price part) are invited from the reputed tenderers having good experience of following similar nature of civil works and having financial soundness status.

Sl. No.	NIT No.	Name of Work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ including GST @ 18 % (Non-refundable) (In Rs.)	Time of completion of work
01)	385/PR/JBVNL/2025-26	Strengthening of foundations of different structures in switch yard area at 33/11 KV P/S/S, Chas.	3,49,850=00	7,000=00	885=00	60 Days
02)	386/PR/JBVNL/2025-26	R & M of boundary wall of 33/11 KV P/S/S, Fudinidih (Near Chirachas) under Electric Supply Circle, Chas.	3,99,510=00	8,000=00	885=00	60 Days
03)	387/PR/JBVNL/2025-26	R & M of control room building at 33/11 KV P/S/S, Fudinidih (Near Chirachas) under Electric Supply Circle, Chas.	3,99,200=00	8,000=00	885=00	60 Days
04)	388/PR/JBVNL/2025-26	Repair and maintenance of the office building, Electric Supply Circle, Chas at ITI more, Chas.	3,29,800=00	6,600=00	885=00	60 Days
05)	389/PR/JBVNL/2025-26	R & M of Cable Trench at 33/11 KV P/S/S, Chas.	3,99,760=00	8,000=00	885=00	60 Days

Last date and time for sale of BOQ/ Tender documents	17/03/2026 up to 5.00 PM
Last date and time for physical submission of tender documents	18/03/2026 up to 02:30 PM
Date and time for opening of tender Part-I (Technical and Commercial)	18/03/2026 at 3:00 PM
Date and time for opening of tender Part-II (Price Part)	Further communicated

1. Tender documents with BOQ including term & conditions, specification etc. can be purchased on mentioned cost either in cash or in shape of Demand Draft from the office of the undersigned during office hours up to last date of sale of BOQ/Tender documents.
2. Demand Draft from any nationalized/Scheduled bank of India towards requisite amount of Earnest money and/or cost of BOQ may be made in favour of **Accounts Officer, Electric Supply Circle, Chas,** payable at **Chas**.
3. The tenders will be received through offline tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
Electrical Superintending Engineer
Electric Supply Circle, Chas

PR 373585 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd) 25-26 (D)

सदन परिसर में शराब की डिलीवरी कराकर दिखा दूंगा

बिहार में शराबबंदी पर राजद एमएलसी सुनील सिंह का बड़ा बयान

पटना (एजेंसी) : बिहार में जारी शराबबंदी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एमएलसी सुनील सिंह ने एक बड़ा बयान दिया है.

उन्होंने बिहार सरकार को निशाने पर लेते हुए योजनाओं में भ्रष्टाचार और शराबबंदी की विफलता पर तीखे सवाल भी उठाए हैं. सुनील सिंह ने बुधवार को कहा कि बिहार में बिना भ्रष्टाचार के किसी योजना की कल्पना तक नहीं की जा सकती है. साथ ही उन्होंने शराबबंदी के नाम पर चल रही धांधली पर भी टिप्पणी की है. शराबबंदी पर हमला बोलते हुए सुनील सिंह ने कहा कि बिहार में आज भी शराब की सरेआम डिलीवरी हो रही है.

उन्होंने कहा कि शराबबंदी सिर्फ नाम के लिए है, धरातल पर ऐसा कुछ नहीं है. अगर आपको सबूत चाहिए तो २७ फरवरी को सदन के अंतिम दिन मैं सदन परिसर में ही शराब की डिलीवरी करावर दिखा सकता हूं. उनका दावा है कि २०१६ से लागू हुई शराबबंदी के बावजूद भी राज्य में इसकी खपत में कमी नहीं आई है. बल्कि इस नए कानून की वजह से राज्य में अवैध कारोबार और बढ़ गया है.

सुनील सिंह ने कहा कि मैं तो साफ तौर पर कहता है कि २०१६ से पहले राज्य में जितनी शराब की खबत थी उसकी तुलना में शराबबंदी होने के बाद खपत कई गुना ज्यादा बढ़ी है. ये बात किसी छिपी नहीं है.

सुनील सिंह ने आगे कहा कि आप भी ये बात जानते हैं बिहार की सीमा से लगने राज्यों और यहां तक की नेपाल में शराबबंदी नहीं है. ऐसे में बिहार में ये कानून सही से लागू हो जाएगा इसकी कल्पना करना ही गलत है. आज हमारी युवा पीढ़ी भी पूरी तरह से बर्बाद हो गई है. जिन लोगों को शराब नहीं मिलता है वो लोग सूखा नशा कर रहे हैं. आज बिरा में सूखे नशे का व्यापार भी लगातार बढ़ रहा है. कोई भी ऐसी जगह नहीं है जहां आप पैसे दे दीजिए और आपको शराब की डिलीवरी ना हो. सब कुछ खेले तौर पर हो रहा है.

हर योजना में है भ्रष्टाचार

सुनील सिंह ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज की तारीख में राज्य में ऐसी कोई योजना नहीं है जिसमें भ्रष्टाचार ना हो. सभी योजनाओं में भ्रष्टाचार व्याप्त है. ये दुख की बात है. उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोगों को इसकी जानकारी है लेकिन फिर ये रुक नहीं रहा है.

नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम के पटना जोन ऑडिशन के दूसरे दिन शामिल हुए सैकड़ों प्रतिभागी

पटना (ईएमएस): अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के मीडिया विभाग के द्वारा आयोजित नेशनल मीडिया टैलेंट हंट को लेकर राज्य में चल रहे ऑडिशन और इंटरव्यू के तीसरे चरण में बुधवार को पटना जोन के इंटरव्यू के दूसरे दिन सैंकड़ों की संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतिभागियों का ऑडिशन प्रदेश कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता चित्रा बाथम और संयोजक असित नाथ तिवारी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस दौरान विशेषज्ञ के तौर पर रिटायर्ड आईएस अधिकारी रामनिवास पांडेय और पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. मुकुंद मौजूद रहे। संचालन पार्टी प्रवक्ता ज्ञान रंजन और चंद्रभूषण राजपूत ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक असित नाथ तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम के तहत सभी को कांग्रेस से जुड़कर पदाधिकारी बनने का मौका मिलेगा। आम समाज से राजनीति में आए लोग आम समाज की मुखर आवाज़ बनेंगे। इस दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता चित्रा बाथम ने कहा कि बिहार ज्ञान की धरती है और कांग्रेस के टैलेंट हंट कार्यक्रम में बिहार की प्रतिभा देख कर इस धरती को बारंबार प्रणाम है।

पार्टी भागलपुर और मुजफ्फरपुर में जोन स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित कर चुकी है। पटना के बाद २७ फरवरी को पूर्णिया में प्रतियोगिता होने वाली है।

बिहार में कानून का राज, निराधार आरोपों के सहारे राजनीतिक रोटी सेंक रहे तेजस्वी : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (ईएमएस)। बिहार जद (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार में पूरी सख्ती के साथ कानून का राज कायम है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव निराधार आरोपों के सहारे चाहे जितना भ्रम फैलाने की कोशिश कर लें, लेकिन इसका जनता के दिलों-दिमाग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है, क्योंकि बिहार की जनता सच्चाई से भली-भांति अवगत है। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी के भ्रष्ट शासनकाल में प्रशासनिक व्यवस्था पंगु हो गई थी, जबकि आज जर्जर थाने आधुनिक एवं सुविधासंपन्न भवनों में परिवर्तित हो चुके हैं। वर्ष २००५ में पुलिस बल की संख्या तकरीबन ४२ हजार थी, जो अब बढ़कर १.१० लाख से अधिक हो चुकी है। पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए आधारभूत संरचना का व्यापक विस्तार किया गया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। थानों को खटारा वाहनों की जगह अब एसयूवी एवं ऑफ-रोडिंग वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि डायल-११२ सेवा आज कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में एक नई क्रांति के रूप में स्थापित हो चुकी है। बीते तीन वर्षों में डायल-११२ के माध्यम से ५० लाख से अधिक लोगों को त्वरित सहायता प्रदान की जा चुकी है तथा इसका रिस्पॉन्स टाइम देशभर में दूसरे स्थान पर है। इन बदलावों के कारण न्याय प्रक्रिया में तेजी आई है और आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव सुदृढ़ हुआ है।

साथ ही, देश-दुनिया के निवेशक भी बिहार आ रहे हैं तथा नए उद्योग-धंधों की स्थापना हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भी राजद ने कानून-व्यवस्था का झूठा ढोल पीटकर जनता को दिग्भ्रमित करने की भरसक कोशिश की थी, किन्तु चुनाव परिणाम सबके सामने हैं। जनता ने उनकी झूठ आधारित राजनीति को सिरे से नकार दिया और वे २५ सीटों पर सिमटकर रह गए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को भय और अराजकता के दौर से निकालकर सुशासन और विकास की राह पर आगे बढ़ाया है। यही कारण है कि जनता का अटूट विश्वास उनके नेतृत्व पर कायम है।

पिरकी गैंग शरीर पर फेंकता है पान-मसाले का पीक, फिर साफ करने के बहाने लूट लेता है पैसा

कटिहार : बिहार के सीमांचल इलाकों में इन दिनों एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जो पहले बैंक से पैसे निकालने वाले वृद्धजनों और महिलाओं को टारगेट करता है. फिर उनके शरीर पर थूकता है और साफ करने के बहाने पैसे लूट कर फरार हो जाता है. यह मामला तब प्रकाश में आया जब कटिहार के सहायक थाना क्षेत्र स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से पैसे निकालकर घर जा रहे एक वृद्ध को इस गिरोह ने अपना शिकार बनाया, और दो लाख रुपये लूटकर फरार हो गया. हालांकि स्थानीय लोगों की मदद से गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया गया है.

सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिजीत कुमार सिंह ने बताया कि सहायक थाना क्षेत्र के मिर्चाईबाड़ी स्थित एसबीआई मुख्य शाखा से दो लाख निकासी कर अपने घर लौट रहे वृद्ध रामदेव चौधरी को इस गिरोह के द्वारा शिकार बनाया गया था.

एसडीपीओ ने घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वृद्ध रामदेव चौधरी के शर्ट पर पहले गिरोह के एक सदस्य के द्वारा पान की पिरकी फेंक दिया गया और गिरोह के दूसरे व्यक्ति ने उसे इसे साफ करने की सलाह दी. इसी दौरान जिला परिषद कार्यालय के समीप वृद्ध अपने शर्ट को साफ करने लगे. तभी दोनों अपराधियों के द्वारा मौके का फायदा उठाते हुए उनसे दो लाख रुपये लेकर फरार हो गए. पीड़ित रामदेव चौधरी जिला परिषद में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी थे. इस गैंग के बारे में एएसपी कटिहार अभिजीत सिंह ने बताया कि बैंक से पैसा निकालने के बाद रामदेव चौधरी जब घर की ओर जा रहे थे, तभी दो व्यक्ति आए, एक ने उनके ऊपर पान का पिक फेंक दिया. दूसरा उसे साफ करने को कहने लगा. पीक की गंदगी साफ करने के लिए जैसे ही वो झुके तभी दूसरा व्यक्ति उसके हाथ से झोला लेकर भाग गया.

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों व्यक्ति की पहचान कर ली. इसमें से एक व्यक्ति आकाश कुमार जो पटना के बाढ़ का रहने वाला है. उसे गिरफ्तार किया है. दूसरे व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और साथ ही साथ जो दो लाख छीने गए है, उसे बरामद कर लिया गया है.

फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने वाला कंप्यूटर टीचर सेवा से बर्खास्त

पूर्णिया (ईएमएस): बीपीएससी टीआरई-१ में फर्जी तरीके से शिक्षक बनने का मामला सामने आया है। पूर्णिया जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, विजय कुमार नामक व्यक्ति को कंप्यूटर साइंस शिक्षक के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने ११वीं और १२वीं कक्षा में पढ़ाई कराई, लेकिन जांच में पता चला कि उन्होंने फर्जी तरीके से यह नौकरी हासिल की थी। बताया गया है कि विजय कुमार ने वर्ष २०१९ में राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा दिया था, लेकिन उनके पास मास्टर्स डिग्री नहीं थी। इसके बावजूद उन्होंने ब्ढएढ पेपर-२ के आधार पर बीपीएससी टीआरई-१ परीक्षा दी और अगस्त २०२३ में आयोजित परीक्षा के परिणाम के बाद जनवरी २०२४ में उन्हें नियुक्ति मिल गई। विजय कुमार की नियुक्ति उत्क्रमित उच्च विद्यालय चपय गंगेली, के० नगर, पूर्णिया में हुई थी। विभागीय जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उनके पास शिक्षक बनने की पात्रता नहीं थी। ९ अक्टूबर २०२५ को उनसे पूछताछ की गई और जांच में सभी आरोप सही पाए गए। इस कार्रवाई के तहत विजय कुमार को सरकारी नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है और वेतन वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्णिया जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बिहार राज्य विद्यालय शिक्षक (नियुक्ति, स्थानांतरण, अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं सेवा शर्तें) नियमावली, २०२३ के नियम १८ के तहत ऐसे फर्जी शिक्षकों को बर्खास्त करने के साथ उनका पूरा वेतन वसूलने का प्रावधान है। नियमावली में यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी फर्जी या गलत प्रमाण-पत्र पाए जाने पर नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी और वेतन के साथ मिलने वाले सभी भत्ते भी वापस लिए जाएंगे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले

हिंदुत्व खतरे में है, सिर्फ ड्रेस पहनकर खुद को हिंदू बता रहे

वाराणसी (ईएमएस): शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस पिछले तीन दिनों से वाराणसी में डेरा डाले हुए है। पुलिस उनसे पूछताछ कर सकती है, हालांकि अभी तक आश्रम नहीं पहुंची है। सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज पुलिस फिलहाल शंकराचार्य से जुड़े सबूत जुटाने में लगी है। मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण पुलिस फूंक-फूंककर कदम आगे बढ़ा रही है। माना जा रहा है कि पूरी तैयारी और होमवर्क के बाद ही पुलिस शंकराचार्य या उनके शिष्यों से पूछताछ करेगी।

उधर, बुधवार को शंकराचार्य ने एक बार फिर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व खतरे में है। जब केवल ड्रेस पहनकर लोग खुद को हिंदू बताने लगेंगे और बार-बार हिंदू-हिंदू कहेंगे, तो हिंदू को खतरा होना स्वाभाविक है। हिंदुत्व को हिंदुओं के बीच घुस आए ऐसे लोगों से खतरा है, जो वास्तव में हिंदू नहीं हैं, बल्कि दिखावे के लिए खुद को हिंदू बताते हैं। उन्होंने कहा कि एक-डेढ़ महीने से कहा जा रहा है कि और भी छात्रों का यौन शोषण हुआ है। अगर ऐसा है तो बाकी लोगों को क्यों बचाकर रखा गया है? यदि किसी के साथ अन्याय हुआ है और सिर्फ दो लोगों से मुकदमा दर्ज कराया गया है, तो इससे पता चलता है कि इसके पीछे साजिश है। जब उन्हें मुफीद होगा, तब उन्हें पेश किया जाएगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत बिहार की लाखों महिलाओं को मिलेगा मुफ्त गैस कनेक्शन

पटना (ईएमएस): प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत बिहार की लाखों महिलाओं को मिलेगा मुफ्त गैस कनेक्शन मिलने वाला है। दरअसल केंद्र सरकार ने राज्य को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत २५ लाख गैस कनेक्शन देने की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान यह मुद्दा सामने आने पर राज्य सरकार ने केंद्र का ध्यान आकर्षित किया था और पात्र लाभार्थियों को शीघ्र गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। बताया गया है कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने चालू वित्तीय वर्ष में बिहार के लिए २५ लाख उज्ज्वला कनेक्शन स्वीकृत किए हैं। योजना के तहत ये गैस कनेक्शन बीपीएल परिवारों को दिए जाएंगे, जो अब तक खाना बनाने के लिए लकड़ी, कोयला या अन्य पारंपरिक ईंधन पर निर्भर हैं। मंत्रालय ने राज्य सरकार के साथ-साथ सभी गैस कंपनियों को भी २५ लाख कनेक्शन जारी करने के निर्देश दे दिए हैं। मंत्रालय की मंजूरी के बाद खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के विशेष सचिव उपेंद्र कुमार ने बिहार के सभी जिलों को उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन जारी करने का आदेश दिया है। विशेष सचिव ने निर्देश दिया है कि गैस कनेक्शन लेने की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए, ताकि हर पात्र लाभार्थी आसानी से इसका लाभ उठा सके। इसके लिए व्यापक स्तर पर लोगों को योजना की जानकारी दी जा रही है और इसके फायदों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। सभी जिलों में उज्ज्वला समिति गठित की गई है, जो आवेदनों की जांच कर पात्र लोगों को कनेक्शन उपलब्ध कराएगी। वर्तमान में राज्य में इस योजना के तहत करीब १० लाख आवेदन लंबित हैं।

कांग्रेस पार्टी अपने युवा निडर सिपाहियों के साथ खड़ी : प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली (ईएमएस): देश की राजधानी दिल्ली में पुलिस द्वारा इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शर्मनाक करार दिया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने युवा निडर सिपाहियों के साथ खड़ी है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट कर लिखा कि सत्य के लिए शांतिपूर्ण एवं अहिंसक प्रतिरोध हमारी गौरवशाली विरासत है जो हमें महात्मा गांधी और लाखों-करोड़ों भारतीय पूर्वजों से मिली है।

दुनिया भर के दबाव में झुककर, भारत के हितों से समझौता करने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में १४० करोड़ भारतवासियों का हित है। जनता की आवाज उठाने के लिए युवा कांग्रेस के साथियों पर कार्रवाई अत्यंत निंदनीय एवं शर्मनाक है। दरअसल यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने नाराजगी जाहिर की है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जो लोग जनता के लिए आंदोलन कर रहे हैं, जो आम लोगों की आवाज उठा रहे हैं, जो किसानों की आवाज उठा रहे हैं, केंद्र सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि अगर सरकार का विरोध करना जुर्म है, तब कांग्रेस का हर व्यक्ति यह जुर्म बार-बार करेगा।

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मां रजनीबाला ने कहा कि चिब को सोमवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रदर्शन को साजिश बताया, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा है कि देश में विरोध करना कब से साजिश होने लगा।

संविधान में हमें हक दिया गया है कि अगर सरकार कोई गलत काम करे, तब आवाज बुलंद करें। रजनीबाला ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि लोग १०-१० साल तक जेल में रहे। कांग्रेस नेताओं की बड़ी कुर्बानियों के बाद देश को आजादी मिली है।

सीमांचल में शांति, स्थिरता और प्रगति का नया अध्याय जुड़ेगा, गृह मंत्री जी के दौरे से : प्रेम रंजन पटेल

पटना (ईएमएस): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बिहार के सीमांचल क्षेत्र में आगमन केवल एक प्रशासनिक दौरा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और बिहार के सशक्त भविष्य की दिशा में निर्णायक कदम है। सीमांचल, जो बिहार का रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील इलाका है और जिसकी सीमाएँ नेपाल तथा बांग्लादेश से जुड़ी हुई हैं, वहाँ सुरक्षा, सतर्कता और संतुलित जनसंरचना को संतुलित रखना आवश्यक भी है।

गृहमंत्री का यह दौरा कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण होगा। सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ, तस्करी और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता और अधिक स्पष्ट होगी। सीमावर्ती जिलों में आधुनिक निगरानी तंत्र, सशस्त्र बलों की क्षमता वृद्धि तथा खुफिया तंत्र की मजबूती से स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा। आज अवैध घुसपैठ केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी जुड़ा विषय है। अनियंत्रित प्रवेश से स्थानीय संसाधनों पर दबाव, रोजगार प्रतिस्पर्धा और सामाजिक तनाव बढ़ सकता है। इस पर ठोस रणनीति से सीमांचल में स्थिरता और दीर्घकालिक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

सुरक्षा के साथ-साथ सीमांचल के बुनियादी ढांचे-सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार-को सुदृढ़ करने की दिशा में भी नई योजनाओं की संभावना है। जब सीमा सुरक्षित होगी और प्रशासनिक पकड़ मजबूत होगी, तभी निवेश और औद्योगिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। गृहमंत्री का यह दौरा राज्य और केंद्र के बीच तालमेल को नई गति देगा। सुरक्षा एजेंसियों, राज्य प्रशासन और स्थानीय नेतृत्व के बीच समन्वित रणनीति से सीमांचल को राष्ट्रीय मुख्यधारा से और अधिक मजबूती से जोड़ा जा सकेगा।

सीमांचल का सुदृढ़ीकरण केवल बिहार की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। गृहमंत्री का यह आगमन स्पष्ट संकेत देता है कि राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा, जनसंरचना का संतुलन और सीमावर्ती क्षेत्रों का समग्र विकास केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि यह विश्वास भी है की गृहमंत्री के इस पहल से सीमांचल में शांति, स्थिरता और प्रगति का नया अध्याय प्रारंभ होगा, और बिहार राष्ट्रीय सुरक्षा के मजबूत स्तंभ के रूप में और अधिक सशक्त होकर उभरेगा।

अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति, पर सदन में चुप्पी:अंजुम आरा

पटना (ईएमएस): जद (यू) की प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने मीडिया में जारी बयान में विपक्षी पार्टियों पर तंज कसते हुए कहा कि जब अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का बजट सदन के पटल पर प्रस्तुत किया गया, तब यह अपेक्षा थी कि जो दल स्वयं को अल्पसंख्यकों का सबसे बड़ा हितैषी बताते हैं, वे शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गंभीर बहस करेंगे। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से न कोई प्रश्न उठाया गया, न कोई सुझाव दिया गया और न ही किसी प्रकार की सार्थक चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को ८९६ करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में २६ करोड़ रुपये अधिक है। यदि वर्ष २००५ के ३.५३ करोड़ रुपये के शुरुआती बजट से तुलना की जाए तो आज यह राशि बढ़कर १,०४१ करोड़ रुपये (२०२५-२६) तक पहुंच चुकी है, जो ३०० गुना से अधिक वृद्धि को दर्शाती है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों का विस्तार नहीं, बल्कि नीति-स्तर पर प्राथमिकता और प्रतिबद्धता का संकेत है। सरकार ने ५३४ प्रखंडों में ब्लॉक अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों की नियुक्ति का लक्ष्य निर्धारित किया है और १,०७६ नए पद सृजित किए हैं, जिससे योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी हो सके।

मदरसों में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था, अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों का विस्तार, तलाकशुदा महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता तथा ९,००० से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी जैसी पहलें इस दिशा में ठोस कदम मानी जा सकती हैं। ये प्रयास दर्शाते हैं कि योजनाएं केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारने की मंशा भी स्पष्ट है। इसके विपरीत, जब सदन में इन विषयों पर चर्चा का अवसर था, तब विपक्ष की चुप्पी यह प्रश्न खड़ा करती है कि क्या अल्पसंख्यक कल्याण केवल चुनावी भाषणों का मुद्दा बनकर रह गया है। यदि किसी वर्ग के हितों की बात सचमुच प्राथमिकता में हो, तो उसका सबसे सशक्त मंच सदन ही होता है, जहां नीति और बजट पर प्रभाव डाला जा सकता है।

लोकतंत्र में जिम्मेदारी केवल आरोप लगाने से पूरी नहीं होती, बल्कि बहस, सुझाव और सहभागिता से निभाई जाती है। विकास की राजनीति और वोट बैंक की राजनीति के बीच का अंतर काम और व्यवहार से स्पष्ट होता है। जनता अब केवल नारों से संतुष्ट नहीं होतीय वह आंकड़ों, नीतियों और जमीनी परिणामों के आधार पर आकलन करती है। ऐसे में सदन की चुप्पी और मंच की बयानबाज़ी के बीच का विरोधाभास स्वयं एक बड़ा राजनीतिक संदेश बनकर उभरता है।

बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया जज की निगरानी में करवाने के सुप्रीम निर्देश पर झामुमो ने कहा- भाजपा और चुनाव आयोग हो जाए सचेत

रांची (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश के बाद देश भर में सियासी बयानबाजी तेज हो गयी है, दरअसल पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया को पड़ोसी राज्यों के जज के निगरानी में संम्पन करवाने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है जिसके बाद विपक्षी दलों के द्वारा केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा जा रहा है, इसी क्रम में झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक निर्देश को लेकर कहा कि मंगलवार को एक बहुत बड़ा फैसला सुप्रीम कोर्ट के द्वारा आया है. जिस प्रकार से चुनाव आयोग अपने फैसले से लोकतंत्र में सवाल बन कर उभरा है ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा निर्देश दिया है, रांची स्थित झामुमो के कैम्प कार्यालय में एक संवाददाता सम्मलेन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई लंबित मामला बहुत दिनों तक चलता है तभी अनुच्छेद १४२ का उपयोग सर्वोच्च न्यायालय करता है।

इस प्रकार के फैसले बड़ा नाजिर पेश करते हैं पहली बार एसआईआर की जो त्रुटियां बंगाल सरकार ने बताया उससे यह साफ़ होता है कि ये लड़ाई पॉलिटिकल थॉट प्रोसेस से नही लड़ी जाती ,सुप्रीम कोर्ट ने बता दिया की एसआईआर जुडिशियल निगरानी के तहत होगा।

अप्रैल से झारखंड में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होगी जिसमें विशेष तौर पर बांग्ला भाषी और अल्पसंख्यक वर्ग को लेकर जो इनकी मंसूबा है इसको हम कभी भी सफल होने नही देंगे, सुप्रियो भट्टाचार्य ने दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली में जो मछली भात खाता है और बांग्ला बोलता है उसको आज दिल्ली छोड़ना पड़ रहा है लेकिन झारखंड में भाजपा और उसके सहयोगी भारतीय चुनाव आयोग को सचेत कर देना चाहते हैं क्यों की हम यहाँ ऐसा कुछ नही होने देंगे.

वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को ईडी के समन अवहेलना मामले में सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईडी को आज सुप्रीम कोर्ट ने लताड़ने का काम किया है, सुप्रिमे कोर्ट ने कहा ईडी के पास यदि कोई ठोस जानकारी है तो काम करे ना की एक दल और एक सरकार के तरफ चल जाए।

एक दिन में मतगणना पूरी करने की तैयारी, प्रपत्र मिलान पर विशेष जोर

बोकारो (ससे): नगर पालिका आम निर्वाचन २०२६ को लेकर *मतगणना प्रक्रिया को त्रुटिरहित एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कोषांग द्वारा डीएवी इस्पात विद्यालय सेक्टर २/सी में मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ६० मतगणना सुपरवाइजर तथा १३० मतगणना सहायकों को विस्तृत रूप से प्रक्रिया संबंधी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरीय पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग प्रभाष दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग जगरनाथ लोहरा तथा मास्टर ट्रेनर आशुतोष कुमार उपस्थित रहे।

प्लांट प्लाजा रोड पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के आरएमपी विभाग द्वारा आज दिनांक २५ फरवरी २०२६ को प्लांट प्लाजा रोड पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संयंत्र के सभी कार्मिकों एवं श्रमिकों के दैनिक जीवन में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है, ताकि कार्यस्थल और सड़क पर होने वाली अनचाही दुर्घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके. यह पहल बीएसएल परिसर के भीतर सड़कों को सुरक्षित बनाने तथा सुगम एवं सुरक्षित आवागमन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

इस जागरूकता अभियान में बड़ी संख्या में अधिकारियों, गैर-कार्यपालक कार्मिकों एवं संविदा श्रमिकों ने हिस्सा लिया. प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त बैनर और नारों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का आह्वान किया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरीज़) श्री एन. श्रीकांत, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बिपिन कृष्ण सरतापे तथा महाप्रबंधक (आरएमपी) श्री मुकेश कुमार सिंह उपस्थित थे. इन वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सुरक्षा मानकों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने हेतु प्रेरित किया.

यह आयोजन बीएसएल की 'सुरक्षा प्रथम' की कार्य-संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है. इस प्रकार के निरंतर कार्यक्रमों से न केवल कार्मिकों में सुरक्षा के प्रति सजगता आती है, बल्कि यह संयंत्र की उत्पादकता और 'शून्य दुर्घटना' (जीरो एक्सीडेंट) के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहायक सिद्ध होता है. बीएसएल प्रबंधन सुरक्षित कार्य परिवेश सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता अभियान जारी रखने के प्रति संकल्पित है.

बीएसएल में निष्ठा पहल का भव्य शुभारंभ

सुरक्षित एवं समावेशी कार्य–संस्कृति की ओर बढ़ते कदम

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-२०२६ आयोजन समिति द्वारा एक विशेष पहल निष्ठा प्रशिक्षण और जागरूकता के माध्यम से समावेशी, सुरक्षित और उत्पीड़न मुक्त कार्यस्थल का पोषण की शुरुआत की गई है. इस अभियान के तहत प्रथम शिक्षण सत्र का आयोजन दिनांक २४.०२.२०२६ को कोक ओवन, आरएमपी एवं आरएमएचपी विभाग में किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन अनुभाग प्रभारी (विद्युत) कोक ओवन एवं कोल केमिकल श्री अंजनी कुमार तथा महाप्रबंधक (बीई) एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजन समिति की अध्यक्ष सुश्री अनुपमा तिवारी द्वारा किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती नीना सिंह एवं सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती नंदा प्रियदर्शिनी की उपस्थिति प्रबंधन की कर्मचारी कल्याण और लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है.

प्रशिक्षण सत्र का संचालन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री शिप्रा एन. हेम्ब्रम एवं वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री सुष्मिता सोरेन द्वारा किया गया. सत्र के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम (झजडक) के प्रावधानों के साथ-साथ कंपनी की विभिन्न नीतियों जैसे मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश, चाइल्ड केयर लीव और लघु परिवार योजना पर विस्तृत जानकारी दी गई. वक्ताओं ने महिला कर्मचारियों के लिए सहायक उपायों, जैसे 'शॉर्टर वर्किंग पीरियड स्कीम' और बाहरी रोजगार के अवसरों के लिए आवेदन अग्रेषित करने संबंधी नियमों पर भी प्रकाश डाला. इसके अतिरिक्त, महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'सखी पोर्टल' और 'महिला नेतृत्व विकास कार्यक्रम' जैसी विशिष्ट पहलों के बारे में भी विस्तार से बताया गया.

इस अभियान की निरंतरता में निष्ठा कार्यशाला के दूसरे सत्र का आयोजन आज दिनांक २५.०२.२०२६ को ब्लास्ट फर्नेस विभाग में किया गया. सत्र का शुभारंभ कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री महेंद्र प्रसाद द्वारा किया गया. इस सत्र में भी सुश्री शिप्रा एन. हेम्ब्रम और सुष्मिता सोरेन ने कर्मियों को कार्यस्थल पर अधिकारों, जिम्मेदारियों और सम्मानजनक आचरण के प्रति जागरूक किया. दोनों ही सत्रों के अंत में चर्चा किए गए विषयों पर आधारित एक 'ऑन-द-स्पॉट' क्विज़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. निष्ठा पहल का सफल शुभारंभ बीएसएल में एक सुरक्षित, समावेशी और उत्पीड़न मुक्त कार्य वातावरण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से संयंत्र में एक ऐसी कार्य-संस्कृति विकसित की जा रही है जहाँ प्रत्येक कर्मचारी, विशेषकर महिलाएँ, स्वयं को सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें.

अखिल भारतीय स्टील मेडिकल ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस

बोकारो इस्पात संयंत्र के चिकित्सकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बोकारो (ससे): विगत दिनों दुर्गापुर में आयोजित ४५वें अखिल भारतीय स्टील मेडिकल ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस (-खडचजउ) में बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के चिकित्सकों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अनेक पुरस्कार अपने नाम किए. इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में सेल (ड-खड) की सभी इकाइयों सहित टाटा स्टील एवं देश के अन्य प्रमुख इस्पात संयंत्रों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था. बीएसएल के कुल ९ चिकित्सकों ने अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. बी. बी. करुणामय के मार्गदर्शन तथा एआईएमएमओसी कमेटी के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. आर. के. गौतम के नेतृत्व में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं.

विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए डॉ. तृप्ति चंद्रा ने टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, डॉ. रजनीश कुमार ने ओएचएस श्रेणी में औद्योगिक श्रमिकों पर कोलटार के प्रभावों पर अपनी प्रस्तुति के लिए 'बेस्ट स्पीकर' का खिताब जीता. लॉन्ग पेपर श्रेणी में डॉ. दीप्ति प्रभा एक्का ने रेटिनल नर्व फाइबर लेयर पर तंबाकू के प्रभाव विषय पर द्वितीय स्थान हासिल किया. इसके अतिरिक्त, डॉ. शमा परवीन एवं डॉ. आकाश कांत ने क्रमशः पीजी शॉर्ट पेपर और एमबीबीएस पेपर श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि मेडिक्विज प्रतियोगिता में डॉ. संतोष चौबे और डॉ. मोहित कुमार की जोड़ी भी तृतीय स्थान पर रही. इस सफलता में मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिंदो मंडल तथा डॉ. इंद्रनील चौधरी का महत्वपूर्ण तकनीकी मार्गदर्शन रहा.

उपलब्धि की इसी कड़ी में, एआईएसएमओसी पुरस्कार विजेताओं ने दिनांक २५.०२.२०२६ को बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. बी. बी. करुणामय की उपस्थिति में निदेशक प्रभारी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी. उन्होंने चिकित्सकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगामी सम्मेलनों में और भी बेहतर प्रदर्शन करने तथा चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए प्रेरित किया. यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बीएसएल की प्रतिबद्धता और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने के संकल्प को दर्शाती है. बीएसएल प्रबंधन अपने चिकित्सा अधिकारियों की शैक्षिक एवं पेशेवर प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि संयंत्र कर्मियों और क्षेत्र की जनता को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित की जा सके.

प्रशिक्षण में गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं देने की शिकायत

डुमरी (ससे): डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरी गिरिडीह पथ के जामतारा में मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना के तहत १८ से ३५ वर्ष तक के युवक युवतियों को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण लेने वाले युवक युवतियों को रहने की व्यवस्था के साथ साथ भोजन,पढ़ाई,पाठ्य पुस्तक, भोजन एवं बैग निःशुल्क दिया जाता है।प्रशिक्षण की अवधि ५-६ महीने की उसके ट्रेड के अनुसार होता है।

भोजन की गुणवत्ता निम्न रहने की मिली शिकायत के आलोक में बुधवार को झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने प्रशिक्षण केन्द्र जाकर प्रशिक्षण देने वाले कर्मियों और प्रशिक्षण ले रहे युवक युवतियों से मिल शिकायत की सत्यता को जाना।इस दौरान पाया कि भोजन बनाने व खिलाने की जिम्मेदारी जिन्हें मिला था,उसे राशि नहीं मिलने से वह छोड़ दिया है जिस कारण पिछले तीन चार दिनों से भोजन होटल से मंगाकर दिया जा रहा है।झाएकिमयू केंद्रीय अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र इंचार्ज ने आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही भोजन में सुधार कर लिया जाएगा।झाएकिमयू केंद्रीय अध्यक्ष ने आमजनों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को कौशल विकास का प्रशिक्षण अवश्य दिलावें। ताकि बच्चे हुनरमन्द बन सके।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का रोटरी क्लब ऑफ दुर्गापुर सेंट्रल का दौरा

दुर्गापुर (ससे): डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन डॉ. कामेश्वर सिंह एलंगबम ने २५ फरवरी २०२६ को रोटरी क्लब दुर्गापुर सेंट्रल का आधिकारिक क्लब दौरा किया। यह दिन क्लब और समुदाय दोनों के लिए महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक रहा। उनके साथ इस दौरे में ज़ोन-२ के असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन सुदीप्ता आचार्य भी उपस्थित थे।

अपने दौरे के दौरान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने दुर्गापुर स्थित सरकारी सुब डिविशनल अस्पताल में रोटरी के 'फोर-वे टेस्ट' प्रदर्शित करने वाले बोर्ड का उद्घाटन किया। फोर-वे टेस्ट रोटरी का एक मार्गदर्शक सिद्धांत है, जो सत्य, निष्पक्षता, सद्भावना और निस्वार्थ सेवा के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. एलंगबम ने उसी अस्पताल में हाल ही में स्थापित लेप्रोस्कोपिक यूनिट का भी निरीक्षण किया, जिसे रोटरी इंटरनेशनल के ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से स्थापित किया गया है। यह आधुनिक चिकित्सा सुविधा सर्जिकल सेवाओं को सशक्त बनाएगी और दुर्गापुर एवं आसपास के क्षेत्रों के अनेक मरीजों को लाभ पहुंचाएगी। इसके बाद लेमन ट्री होटल, दुर्गापुर में एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई, जहां डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने क्लब अध्यक्ष रोटेरियन मंतार सिंह, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं क्लब के सदस्यों के साथ संवाद किया। अध्यक्ष ने जुलाई २०२५ से अब तक किए गए क्लब के विभिन्न सेवा कार्यों और परियोजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक विकास और मानवीय सेवा से जुड़ी प्रभावशाली पहलों को रेखांकित किया गया।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने क्लब के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और मानव सेवा के लिए सदस्यों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने रोटरी के आदर्शों के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों की प्रशंसा की।

बैठक का समापन सकारात्मक और उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। रोटेरियन बिरेन मंडल, रोटेरियन छगन पटेल और रोटेरियन दीपक कजारिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

यह दौरा रोटरी क्लब दुर्गापुर सेंट्रल की निरंतर सेवा भावना और समाज में स्थायी एवं सार्थक प्रभाव उत्पन्न करने के संकल्प की पुनः पुष्टि करता है।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की हो रिहाई : गुड्डु

डुमरी (ससे): युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की दिल्ली में हुई गिरफ्तारी पर युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष गुड्डु मलिक ने बुधवार को एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि यह विवाद दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान शुरू हुआ। युवा कांग्रेस ने केंद्र सरकार की नीतियों और बेरोजगारी के खिलाफ सुरक्षा घेरा तोड़कर शर्टलेस विरोध प्रदर्शन किया था।इसी सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने उदय भानु चिब को गिरफ्तार कर पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। युवा कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा सरकार युवाओं की आवाज उठाने वालों से डर गई है। यह गिरफ्तारी लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है,जो हमारे संघर्ष को और अधिक मजबूती देगी।

पृष्ठ एक का शेषांश

जमशेदपुर में आज होगा---

कुल २.५ एकड़ भूमि में प्रस्तावित इस परियोजना में १.५ एकड़ क्षेत्र में ९० फीट ऊंचा मंदिर बनाया जाएगा, जो की भव्य प्रतिकृति के रूप में तैयार होगा। आध्यात्मिक केंद्र को दो वर्षों में और मुख्य मंदिर को चार वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। केंद्र में युवाओं के लिए १५ दिवसीय विशेष प्रशिक्षण, योग और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, जिससे नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर विशेष बल दिया जाएगा। ट्रस्ट के अनुसार यह केंद्र झारखंड में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। आयोजकों का कहना है कि यह परियोजना युवाओं के चारित्रिक उत्थान और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

162 लाख करोड़ का---

चलता है कि इस सेगमेंट में ग्राहकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। एक्टिव होम लोन की संख्या में करीब ३.३ लाख का इजाफा हुआ, जिससे औसत टिकट साइज बढ़ने का भी अंदाजा मिलता है। आउटस्टैंडिंग लोन उस कुल रकम को कहा जाता है, जो आपने बैंक या किसी वित्तीय संस्था से कर्ज के रूप में ली है, जिसमें से कुछ हिस्सा अभी तक चुकाना बाकी है। इसमें बचा हुआ प्रिंसिपल अमाउंट, उस पर जमा हुआ ब्याज और बैंक द्वारा लगाए गए अलग-अलग शुल्क शामिल होते हैं।

शेख हसीना की दहाड़---

उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा, बोरिया-बिस्तर बांध लो, अब देश लौटने और मैदान में उतरने का वक्त आ गया है।

शेख हसीना का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उन पर कई गंभीर मुकदमे दर्ज किए हैं और उनकी पार्टी पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। दिल्ली में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान हसीना ने न केवल अपनी वापसी का संकल्प दोहराया, बल्कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की वैधता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने अपनी पार्टी पर लगाए गए प्रतिबंधों को पूरी तरह अवैध करार देते हुए कहा कि जो सरकार खुद गैर-कानूनी तरीके से सत्ता में आई है, उसके आदेशों का कोई संवैधानिक महत्व नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आवामी लीग पर से प्रतिबंध नहीं हटाया गया, तो पार्टी अपनी रणनीति खुद तय करेगी और कड़े कदम उठाएगी।

पूर्व प्रधानमंत्री ने हाल ही में बांग्लादेश में संपन्न हुए चुनावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक मजाक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि जनता ने बड़े पैमाने पर वोटिंग का बहिष्कार किया था और प्रशासन द्वारा जारी किए गए ६० प्रतिशत मतदान के आंकड़े पूरी तरह फर्जी हैं। हसीना ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले ही बैलेट बॉक्स भर दिए गए थे ताकि उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर रखा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तारिक रहमान के प्रभाव वाली व्यवस्था को चुनौती देते हुए कहा कि आवामी लीग के साथ घोर नाइंसाफी हुई है। शेख हसीना के इस कड़े रुख ने ढाका की अंतरिम सरकार और विपक्षी दलों की चिंता बढ़ा दी है। उनके समर्थकों के लिए यह बयान एक संजीवनी की तरह देखा जा रहा है, वहीं विरोधियों का मानना है कि उनकी वापसी से देश में फिर से अस्थिरता पैदा हो सकती है। शेख हसीना ने अपने संबोधन के अंत में कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर सड़कों पर उतरें और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष करें। अब देखना यह है कि इस एलान के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार क्या कूटनीतिक और कानूनी कदम उठाती है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर---

के प्रवेश पत्र प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

एनसीईआरटी की किताब---

इंस्टीट्यूशन में है। जवाब में सीजेआई ने कहा कि प्लीज थोड़ा इंतजार करें। मुझे बार और बेंच दोनों से बहुत सारे कॉल, मैसेज आ रहे हैं। सभी हाईकोर्ट के जज समेत सिस्टम का हर स्टेकहोल्डर परेशान है। मैं इस मामले को खुद देखूंगा। कानून अपना काम करेगा। बेंच में शामिल जस्टिस बागची ने भी कहा कि यह किताब बेसिक स्ट्रक्चर के ही खिलाफ लगती है।

दुमका में गैस लाइटर लदे ट्रक को चिप्स लदे ट्रेलर ने मारी टक्कर, चार वाहनों में भीषण आग के बाद एक की मौत

दुमका (एजेंसी): दुमका रेलवे स्टेशन के पास रिंग रोड के एएन कालेज मोड़ पर बुधवार की शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। गैस लाइटर लदे एक ट्रक को पीछे से चिप्स लदे ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से लाइटर लदा वाहन दूर जाकर धू-धू कर जलने लगा। इस आग से निकली लपटों से चिप्स लदे ट्रेलर ने भी आग पकड़ ली।

इसके अतिरिक्त एक अन्य खाली ट्रेलर व डंपर में भी आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि चारों वाहन जल कर राख हो गए। वहीं, इस ऐक्सीडेंट में ट्रेलर के उप चालक की झुलस कर घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

जबकि, दो अन्य झुलसे हुए लोगों को इलाज के लिए फूलोझानो मेडिकल कालेज व अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिहार के बांका का रहने वाला है मृतक

मृतक व एक घायल की पहचान हो गई है। दोनों घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। वह फिलहाल बोलने की स्थिति में नहीं हैं।

इधर, लाइटर लदे वाहन से लगातार विस्फोट होने की वजह से आसपास के इलाके में दहशत फैल गई है। मृतक उमेश कुमार बांका जिले के सुईया थाना क्षेत्र के दोना पाथर गांव का रहने वाला था। वह चिप्स लदे ट्रेलर का चालक था। वही घायल संतोष कुमार बांका के बेलहर का रहने वाला है। यह चिप्स लदे ट्रेलर का खलासी था।

वाहनों की आग बुझाने में लगे हैं दो दमकल

हादसे के बाद घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आगलगी की सूचना मिलने पर मौके पर दो दमकल पहुंच और आग पर काबू पाने की पहल शुरु कर दी गई। दमकल से तीन वाहनों में लगी आग पर बहुत हद तक काबू पा लिया गया है। मगर, लाइटर लदे वाहन में लगी आग बुझाने में काफी दिक्कत आ रही है।

घटनास्थल पर मौजूद हैं अधिकारी

घटना स्थल पर दुमका के एसडीओ कौशल कुमार और डीटीओ समेत कई पदाधिकारी व पुलिस की टीम भी मौजूद है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अभी तक आग पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं पाया जा सका है।

30 की उम्र में इन न्यूट्रिएंट्स से करें दोस्ती, बुढ़ापे में नहीं होगी परेशान

30 साल के बाद हर किसी का शरीर एक्स्ट्रा केयर खोजता है। खासकर महिलाओं को इसकी ज्यादा जरूरत होती है। इस उम्र में अक्सर शरीर के अंगों के कामकाज की रफ्तार धीमी होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं अपनी सेहत का खास ख्याल रखें। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताएं उन पांच न्यूट्रिएंट्स की जानकारी दे रहे हैं, जिसे हर महिला को अपने डाइट का हिस्सा बनना चाहिए।

विटामिन डी

महिलाओं को अपनी डाइट में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करना चाहिए। यह एक मास्टर न्यूट्रिएंट्स होता है, जो आप के हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा यह मूड बूस्टर की तरह काम करता है और इम्यूनिटी मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विटामिन डी की कमी आप दूध, मशरूम, सेलमन मछली का सेवन करके पूरा कर सकते हैं।

आयरन

आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। खासकर आप वर्किंग वुमन हैं और आप बहुत जल्दी थकान और कमजोरी महसूस करती हैं यह एक परफेक्ट एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। इससे शरीर में खून की कमी नहीं होती है और एनीमिया जैसी बीमारी की चपेट में आने से आप बच सकती हैं। इसके लिए आप नट्स, सीड्स, पालक ब्रोकली, अनार का सेवन कर सकती हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

हार्ट और ब्रेन हेल्थ को बरकरार रखने के लिए महिलाओं को ओमेगा 3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थों को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। यह इन्फ्लेमेशन से भी लड़ने में मदद करता है और आपको क्रॉनिक बीमारियों के खतरे से बचाता है। इसके लिए आप चिया सीड्स,दूध, सी फूड का सेवन कर सकती हैं।

कैल्शियम

कैल्शियम भी एक बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स है। यह न सिर्फ हड्डियों को मजबूती देता है बल्कि ओवर ऑल स्ट्रैंथ के लिए जिम्मेदार होता है। इससे मसल्स का फंक्शन भी सही होता है और नर्व भी ठीक प्रकार से फंक्शन करता है। इसकी कमी को पूरा करने के लिए डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

फोलेट

फोलेट भी बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स में से एक है। खासकर जो महिलाएं मां बनने वाली हैं, उन्हें अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। इससे रेड ब्लड सेल्स बूस्ट होता है और खून की कमी नहीं होती। इसके लिए चिकपी, ब्रोकली, नट्स का सेवन करना चाहिए।

जिंदगी की भागदौड़ से हो गए हैं परेशान? सेहतमंद रहने के लिए इन बातों पर दें ध्यान

कई बार हम अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं, जिसका असर मेंटल ही नहीं फिजिकल हेल्थ पर भी होता है। एक्सपर्ट की बताई कुछ खास बातों का ख्याल रखकर आप खुद को सेहतमंद रख सकती हैं।

भागदौड़ से भरी इस जिंदगी में भला कौन तनाव से परेशान नहीं है। सभी को किसी न किसी बात का स्ट्रेस तो है ही। जिंदगी की मुश्किलों को हल करते हुए अक्सर हम खुद की परवाह करना भूल जाते हैं। अपनी सेहत को लेकर लापरवाह हो जाते हैं। लेकिन असल में सेहतमंद रहने के लिए सही खान-पान, एक्सरसाइज और हेल्दी रूटीन के अलावा भी कई चीजें जरूरी है। जब हम मानसिक तौर पर परेशान होते हैं, अपने दिल की बात कह नहीं पाते हैं या फिर ओवरथिंकिग करते हैं, तो इसका असर हमारी ओवरऑल हेल्थ पर होता है। इसलिए, खुद को खुश रखने पर और खुद की परवाह करने पर ध्यान देना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें।

सोशल एक्टिविटी पर ध्यान दें

अक्सर हम जिंदगी की भागदौड़ में इतना उलझ जाते हैं कि उन चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं जो असल में हमारे लिए जरूरी हैं। रोजमर्रा के कामकाज के बीच हर हफ्ते कम से कम एक घंटा आपको किसी सोशल एक्टिविटी से लिए निकालना चाहिए। अपने दोस्तों से मिलें, बाहर जाएं या फिर कुछ भी ऐसा करें जो आपको पसंद हो। इसका मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर होता है।

सेल्फ केयर पर ध्यान दें

इस बात को समझना जरूरी है कि आप अपने अपनों के लिए भी कुछ तभी कर पाएंगे तब आप खुद हेल्दी होंगे। इसलिए, अपनी परवाह करें। खान-पान को नजरअंदाज न करें। हेल्दी डाइट लें, खुलकर अपने बारे में बात करें और एक हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करें। अगर शरीर में किसी तरह की परेशानी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

ब्रेक भी है जरूरी

जिंदगी की भागदौड़ से अगर आप थक गए हैं और आपके स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ रहा है, तो इसे समझें। रोजमर्रा की जिंदगी के थोड़ा ब्रेक भी जरूरी है। ब्रेक में हेल्दी एक्टिविटी जैसे योगा, ब्रिस्क वॉकिंगह, रीडिंग या फिर कुछ भी और करें, जिससे आपकी सेहत पर अच्छा असर हो।

हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए महिलाएं डाइट में शामिल करें ये चीजें

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन जैसे कई हार्मोन्स का सही संतुलन होना जरूरी है। हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए कुछ खास चीजों को डाइट में लेना और हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना जरूरी है।

हार्मोनल बैलेंस का सीधा असर हमारी सेहत पर होता है। अगर शरीर में हार्मोन्स बैलैंस नहीं हैं, तो इससे हमारी पूरी सेहत प्रभावित होती है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। खासकर, महिलाओं के शरीर में अगर हार्मोन्स ऊपर-नीचे होते हैं, तो इससे महिलाओं की फर्टिलिटी, डाइजेशन, वजन और मूड समेत कई चीजें प्रभावित होती हैं। महिलाओं की हार्मोनल हेल्थ के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन का सही लेवल जरूरी है। कुछ फूड्स इसे मैनेज करने में खास भूमिका निभाते हैं। इन्हें महिलाओं को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इस बारे में डाइटिशियन राधिका गोयल जानकारी दे रही हैं। राधिका सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं।

फाइबर रिच फूड्स

फाइबर रिच फूड्स शरीर में एस्ट्रोजन के लेवल को बैलेंस करने में मदद करते हैं। ये शरीर से अतिरिक्त एस्ट्रोजन को बाहर निकालने के लिए जरूरी होते हैं। एस्ट्रोजन की अधिक मात्रा शरीर के कई फंक्शन्स पर असर डाल सकती है। ऐसे में फाइबर रिच फूड्स को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स

ब्रोकली, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां भी शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन को बैलेंल करने के लिए जरूरी हैं। इन सब्जियों में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म और बैलेंस के लिए जरूरी होते हैं।

हेल्दी फैट्स

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए हेल्दी फैट्स जरूरी हैं। हेल्दी फैट्स जैसे एवाकाडो, फैटी फिश और नट्स को डाइट में शामिल करें। इससे हार्मोनल बैलेंस में मदद मिलती है।

फ्लैक्स सीड्स

फ्लैक्स सीड्स में लिग्नांस होते हैं और कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो एस्ट्रोजन लेवल को रेगुलेट करने में मदद करते हैं। इन्हें आप कई तरह से डाइट में शामिल कर सकती हैं। इनकी चटनी (अलसी के बीज की चटनी), रोटी और रोस्टेड सीड्स भी फायदेमंद होते हैं।

चिया सीड्स

फ्लैक्स सीड्स की तरह चिया सीड्स में भी लिग्नांस और फाइबर होता है। ये भी हेल्दी एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं। इन्हें भिगोकर डाइट में शामिल करें। इससे वजन भी कंट्रोल में रहता है।

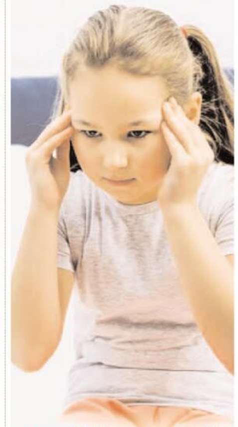

बच्चों में नजर आने वाले ये लक्षण हो सकते हैं एनीमिया के संकेत

एनीमिया एक ऐसी समस्या है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में कमी हो जाती है। यानी शरीर में खून की कमी हो जाती है। लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन होता है, यह एक ऐसा प्रोटीन होता है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन ले जाने और शरीर के सभी भागों में पहुंचाने में सक्षम बनाता है। जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है तो रक्त ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पता है। यह ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलता है लेकिन बच्चे भी इसके शिकार हो जाते हैं। आज हम जानेंगे कि बच्चों में एनीमिया होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

बच्चों में एनीमिया होने पर नजर आने वाले लक्षण

- अगर आपका बच्चा थोड़ी देर ही खेलने के बाद थक जाता है तो यह एनीमिया के सबसे आम लक्षणों में से एक।
- खून की कमी के कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होने लगती है जिससे बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है।
- एनीमिया के चलते बच्चों में चिड़चिड़ापन और बेचैनी भी देखने को मिलता है।
- सीढ़ियां चढ़ने बाद बच्चे का सांस फूलने लगना या सांस लेने में दिक्कत हो तो यह भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। खून की कमी के कारण ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हो पाती है।
- बार-बार बच्चा सिर में दर्द और चक्कर की शिकायत करता है तो भी ये एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- त्वचा और आंखों का पील पड़ना भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- कई बार हार्ट रेट भी बढ़ जाता है और शरीर का तापमान भी गिरने लगता है।
- यह भी पढ़ें-हार्ट अटैक आने के 15 मिनट के अंदर कर लें उपाय, बच सकती है मरीज की जान

ऐसे करें बचाव

- ऐसे कोई भी लक्षण आपके बच्चे में नजर आते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाई का सेवन करवाएं।
- इसके अलावा आप हरी सब्जियां,दाल, नॉन वेजिटेरियन फूड भी बच्चे को खिला सकते हैं। इससे भी शरीर में रेड ब्लड सेल्स बढ़ते हैं।
- विटामिन सी से भरपूर नीबू, संतरा, कीनू, कीवी, स्ट्रॉबेरी जैसे पौष्टिक फलों को डाइट का हिस्सा बनाएं। इससे भी शरीर आयरन को तेजी से अब्जॉर्ब कर पाता है।

सेहत को कमाल के फायदे पहुंचाती है अमरूद की चटनी

अमरूद एक ऐसा फल है जो सभी को पसंद आता है। नमक और मिर्च लगाकर अमरूद खाने का जो मजा है वह शायद ही किसी और फल को खाने में आता होगा। कुछ लोग अमरूद साबुत कहते हैं तो कुछ इसकी जेली बनाकर खाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी अमरूद की चटनी खाई है? जी हां अमरूद की चटनी खाने में तो स्वादिष्ट लगती ही है, इससे सेहत को भी खूब लाभ पहुंचता है। आइए जानते हैं इस बारे में डाइटिशियन लवनीत बत्रा से।

अमरूद की चटनी खाने के फायदे

- अमरूद में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें, तो इसमें मैंगनीज, पोटैशियम, विटामिन- सी, मिनरल, लाइकोपीन फाइबर होते हैं। वहीं, जब इसकी चटनी बनाई जाती है, तो इसमें और भी कई तरह के इंग्रीडिएंट को शामिल किए जाते हैं, जिससे इसका फायदा दोगुना हो सकता है।
- अमरूद की चटनी का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों को फायदा हो सकता है। दरअसल, इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है।, इसकी वजह से यह ब्लड शुगर को रेगुलेट करने में मदद करता है। इससे शुगर स्पाइक नहीं होता है।
- अमरूद में पोटैशियम भी होता है जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके हार्ट हेल्थ को फायदा पहुंचा सकता है।
- इसके अलावा, इस चटनी का सेवन करने से पाचन दुरुस्त होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन- तंत्र को बूस्ट करता है, जिससे कब्ज और, एसिडिटी जैसी परेशानी नहीं होती है।
- इसमें भरपूर विटामिन- सी होता है, जिससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनती है। इससे आपकी ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। वहीं, इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे कई तरह की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा कम होता है।

क्या आप भी डेंटल फ्लॉस का इस्तेमाल करते हैं? जान लें नुकसान

दांत साफ हो तो आपकी मुस्कान और भी ज्यादा खूबसूरत लगती है। इसलिए जरूरी है कि दांतों को सही तरीके से साफ किया जाए। ओरल हेल्थ न सिर्फ दांतों को सड़न से बचाता है बल्कि ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। यही वजह है कि अक्सर डॉक्टर डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं, जिससे दांतों के बीच फंसे भोजन आराम से निकल जाता है। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि डेंटल फ्लॉस के कुछ नुकसान भी हैं। आइए इस बारे में डेंटल डॉक्टर तलबिया खान से जानते हैं।

क्या होता है डेंटल फ्लॉस

डेंटल फ्लॉस एक काफी पतला सिंथेटिक धागा होता है जिसे दांतों के बीच में घुसाकर दांतों के बीच फंसी गंदगी को हटाया जा सकता है। कई बार कुछ ऐसा खाते हैं जो दांतों के बीच में फंस जाता है और इसके कारण बैक्टीरिया पैदा होते हैं। इससे मुंह में स्मेल और सड़न जैसी दिक्कत होती है। वहीं डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने से दांतों में प्लाक जमा नहीं होते हैं। एक्सपर्ट की माने तो डेंटल फ्लॉस से फायदा और नुकसान दोनों हो सकता है। यह पूरी तरह से इस बात पर डिपेंड करता है कि आप किस तरह का फ्लॉस इस्तेमाल करते हैं। दरअसल कुछ ऐसे डेंटल फ्लॉस होते हैं जो टॉक्सिक केमिकल टेफ्लॉन से बनाए जाते है। जब शरीर के अंदर यह केमिकल जाते हैं तब थायराइड जैसी समस्या हो सकती है हार्मोन असंतुलन हो सकता है। वहीं कुछ फ्लॉस में फ्रेगनेंस होता है। यह सिंथेटिक खुशबू होती है। इनमें भी कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं जिससे शरीर के अंदर गड़बड़ी हो सकती है। वहीं जो लोग दिन भर में एक बार से ज्यादा फ्लॉसिंग करते हैं उनके मसूड़े की टिशू डैमेज हो सकती है। इसके अलावा दांतों के बीच स्पेस भी बढ़ सकता है।

फ्लॉसिंग का सही तरीका

- एक्सपर्ट कहती है कि ओरल हेल्थ के लिए फ्लॉसिंग जरूरी है लेकिन आप जब भी फ्लॉस स्टिक का चुनाव करें तो ध्यान रहे कि यह केमिकल फ्री होना चाहिए।
- वहीं अक्सर लोग फ्लॉसिंग बहुत तेज कर लेते हैं इसकी वजह से मसूड़ों से खून आने लगता है जो कि कई तरह की समस्या पैदा कर सकता है इसलिए जब भी फ्लॉसिंग करें हल्के हाथों से फ्लॉसिंग करें।

फोटोग्राफी में इंट्रेस्टेड छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराता है निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम

निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम फोटोग्राफी संबंधित कोर्स करने के शौकीन छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है। यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम उन छात्रों के लिए है, जो 12वीं कर चुके हैं।

निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम फोटोग्राफी संबंधित कोर्स करने के शौकीन छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है। यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम उन छात्रों के लिए है, जो 12वीं कर चुके हैं और 3 महीने या उससे अधिक की अवधि के लिए फोटोग्राफी संबंधित कोर्स में एडमिशन लिया है। यह स्कॉलरशिप निकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से शुरू की गई एक पहल है। आपको बता दें कि निकॉन कंपनी इंडिया इमेजिंग और ऑप्टिक्स के मैदान में दुनिया की दिग्गज कंपनी है।

निकॉन स्कॉलरशिप का उद्देश्य

सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के हिस्से के तौर पर निकॉन इंडिया कॉर्पोरेट स्कॉलरशिप ऑफर कर रही है। बीते कुछ सालों से शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए निकॉन कंपनी कई गतिविधियों का भी आयोजन कर रही है। निकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से जो भी छात्र अच्छी फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करते हैं। उनको कंपनी की तरफ से 1 लाख तक की स्कॉलरशिप दी जाती है। ऐसे में अगर आप भी फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी के शौकीन हैं, तो आप भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

पात्रता

- बता दें कि 3 महीने या उससे ज्यादा की अवधि वाले फोटोग्राफी संबंधित कोर्स करने वाले छात्र इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।
- स्टूडेंट्स की 12वीं पास होना जरूरी है।
- छात्र की सालाना पारिवारिक आय 6 लाख रुपए से कम होनी चाहिए।
- यह योजना सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है।

डॉक्यूमेंट्स

- फोटो पहचान प्रमाण
- आय प्रमाण
- प्रवेश प्रमाण पत्र
- आवेदक का पासपोर्ट साइज का फोटो
- छात्रवृत्ति आवेदक का बैंक अकाउंट का विवरण
- पिछली कक्षा की मार्कशीट या ग्रेड कार्ड
- वर्तमान शैक्षणिक वर्ष की शुल्क रसीद
- विकलांगता और जाति प्रमाण पत्र

ऐसे करें आवेदन

निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम का लाभ लेने के लिए सबसे पहले ईमेल/फेसबुक/जीमेल अकाउंट से लॉगिन करें। फिर निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम के डिटेल पेज पर जाएं। इसके बाद ऑनलाइन एप्लिकेशन फॉर्म में मांगी गई सभी जरूरी डिटेल्स भर दें। वहीं जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड कर दें। एप्लिकेशन फॉर्म चेक करने के बाद सबमिट पर क्लिक कर दें। इस तरह से आपका फॉर्म भर जाएगा।

डिजिटल स्किल सीखकर डिजिटल सेक्टर में बना सकते हैं शानदार कॅरिअर

मौजूदा साल में देश में करीब 5 करोड़ से भी अधिक लोग बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। जहां देश के तमाम बेरोजगार युवाओं और छात्रों में स्किल्स की कमी देखी गई। ऐसे में देश के युवा डिजिटल स्किल सीखकर डिजिटल सेक्टर में शानदार कॅरिअर बना सकते हैं।

मौजूदा साल में देश में करीब 5 करोड़ से भी अधिक लोग बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक BA, B.Sc. B.Com छात्र या डिग्री कर चुके तकरीबन 19 फीसदी युवा भी इस समस्या से परेशान हैं। वहीं 10वीं-12वीं छात्रों की बेरोजगारी का प्रतिशत 10.3 फीसदी के आसपास है। एक रिपोर्ट की मानें तो भारत में बेरोजगारी दर 7 फीसद के आसपास बनी हुई है। अगर ग्रामीण भारत और शहरी भारत में बेरोजगारी दर को बांटा जाए, तो ग्रामीण भारत की तुलना में शहरी भारत में अधिक बेरोजगार मिले हैं।

आपको बता दें कि ग्रामीण भारत में 6.0 फीसदी और 7.70 फीसदी शहरी बेरोजगारी दर को आंका गया है। कोविड महामारी के दौरान यह बेरोजगारी दर 8 फीसदी थी। तो उस हिसाब से बीते दशक में यह सबसे अधिक बेरोजगारी है। जहां देश के तमाम बेरोजगार युवाओं और छात्रों में स्किल्स की कमी देखी गई। ऐसे में देश के युवा डिजिटल स्किल सीखकर डिजिटल सेक्टर में शानदार कॅरिअर बना सकते हैं।

सैलरी

मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट के मुताबिक इस साल युवाओं के लिए डिजिटल सेक्टर के अंदर 6.5 करोड़ नौकरियां उपलब्ध होंगी। वहीं साल 2026 तक भारतीय डिजिटल इंडस्ट्री के 160 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में देश के युवा डिजिटल स्किल्स को बढ़ाने के लिए एडवांस डिजिटल मार्केटिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को आप अपने घर पर बैठकर कर सकते हैं। वहीं इस कोर्स में एक खासियत यह भी है कि इस कोर्स को करने के लिए आपको किसी भी तरह की डिग्री आदि की आवश्यकता नहीं होगी।

पद और सैलरी

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर- 45 हजार
सोशल मीडिया मैनेजर- 35 हजार
ईमेल मार्केटिंग मैनेजर- 30 हजार
पीपीसी एक्सपर्ट्स- 40 हजार
गूगल एड एक्सपर्ट्स- 50 हजार
इनबाउंड मार्केटिंग- 35 हजार
एसईओ मैनेजर- 40 हजार
कंटेंट मार्केटर- 40 हजार
ब्रांड मैनेजर- 60 हजार
कंटेंट राइटर- 30 हजार

एडवांस डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की खासियत

- इस कोर्स में 100 प्रतिशत जॉब प्लेसमेंट असिस्टेंस
- 20 से ज्यादा लर्निंग टूल्स
- गूगल सर्टिफाइड अनुभवी फैकल्टी द्वारा प्रशिक्षण
- 8+ लाइव प्रोजेक्ट्स
- 100 घंटे लाइव इंटरेक्टिव क्लासेस
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन
- एक्सपर्ट्स के साथ मास्टर क्लास
- कम्प्लीमेंट्री कोर्स-सॉफ्ट स्किल्स

अगर आप ग्रेजुएशन कर चुके हैं, लेकिन अपने कॅरियर को लेकर परेशान हैं। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे एडवांस डिजिटल मार्केटिंग का कोर्स कर किसी भी एक फील्ड को अपना प्रोफेशन बना सकते हैं। इस कोर्स में ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई अन्य कोर्स मौजूद हैं।

अब विदेश में पूरा होगा पढ़ाई का सपना मिलेगी स्कॉलरशिप

जो भी स्टूडेंट आर्ट्स एंड सोशल साइंस में विश्वविद्यालय से यूजी प्रोग्राम करना चाहते हैं, तो वह फैकल्टी ऑफ आर्ट्स ऐंड सोशल साइंसेस इंटरनैशनल अंडरग्रैजुएट कमेंसिंग स्कॉलरशिप में अप्लाई कर सकते हैं।

बहुत सारे छात्र विदेश में पढ़ने के इच्छुक होते हैं। ऐसे में अगर आप भी विदेश में पढ़ने का सपना रखते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी में पढ़ने के इच्छुक अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट के लिए यूनिवर्सिटी ने खास स्कॉलरशिप प्रोग्राम जारी किया है। ऐसे में जो भी स्टूडेंट आर्ट्स एंड सोशल साइंस में विश्वविद्यालय से यूजी प्रोग्राम करना चाहते हैं, तो वह फैकल्टी ऑफ आर्ट्स ऐंड सोशल साइंसेस इंटरनैशनल अंडरग्रैजुएट कमेंसिंग स्कॉलरशिप में अप्लाई कर सकते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस प्रोग्राम के तहत छात्रों को कोर्स की अवधि के दौरान AUD 5,000 रुपए हर साल दिए जाएंगे। आपको बता दें कि AUD 5,000 भारतीय मुद्रा में 2,45,389.43 रुपए होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस प्रोग्राम के तहत आप किस तरह से अप्लाई कर सकते हैं।

ऐसे करें अप्लाई

- इस प्रोग्राम के लिए यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट की एप्लिकेशन सर्च करें।
- फिर एप्लिकेशन का लिंक खोलने के बाद उसमें पूछी गई जानकारी और डॉक्यूमेंट्स को अटैच करें।
- इसके बाद फाइनल सबमिट करने से पहले पूरी जानकारी को अटैच्ड डॉक्यूमेंट्स को अच्छी तरह से जांच लें।

कैसे होगा सिलेक्शन

- इस स्कॉलरशिप के लिए सिलेक्शन का मुख्य आधार मेरिट बेसिस पर होगा। अंक और पर्सेंट के आधार पर स्टूडेंट को स्कॉलरशिप प्रोग्राम के लिए चुना जाएगा।

टर्म्स और कंडीशन

- बता दें कि स्कॉलरशिप की तय राशि साल के दो सेमेस्टर में आधा-आधा दिया जाएगा।
- हर सेमेस्टर में स्टूडेंट को कम से कम 65% एवरेज मार्क्स लाना होगा।
- स्कॉलरशिप खारिज होने के बाद फिर से बहाल नहीं किया जाएगा। जब तक ऐसा यूनिवर्सिटी की गलती से न हुआ हो।
- स्कॉलरशिप के अलावा अन्य कोई भी अमाउंट स्टूडेंट को नहीं दिया जाएगा।

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं। पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मांड के दानव तारे में होने वाला विस्फोट! वैज्ञानिकों की बढ़ी चिंता

बीजिंग, एजेंसी। ब्रह्मांड के सबसे बड़े ज्ञात तारों में से एक डब्ल्यूओएच 64 में वर्ष 2014 के बाद बड़ा परिवर्तन दर्ज किया गया है। नए शोध के अनुसार यह तारा अब अपने जीवन के अंतिम चरण में प्रवेश कर सकता है और भविष्य में महाविस्फोट (सुपरनोवा) की संभावना है। यह अध्ययन एथेंस की राष्ट्रीय वेधशाला के वैज्ञानिक गोंजालो मुन्योस-सांचेज के नेतृत्व में किया गया और प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह तारा अपनी पारंपरिक लाल अतिविशाल अवस्था से निकलकर दुर्लभ पीली अतिविशाल अवस्था में पहुंच चुका है। आमतौर पर यह परिवर्तन तारे के जीवन के अंतिम चरण का संकेत माना जाता है। इस अवस्था के बाद तारा अक्सर महाविस्फोट के साथ समाप्त होता है। 64 की खोज 1970 के दशक में में हुई थी, जो हमारी आकाशगंगा के पास स्थित एक बौनी आकाशगंगा है। यह तारा अत्यंत चमकीला और असाधारण रूप से विशाल है। इसका आकार सूर्य की त्रिज्या से लगभग 1,500 गुना अधिक आंका गया है। तुलना करें तो हमारा सूर्य लगभग 4.6 अरब वर्ष पुराना है, जबकि डब्ल्यूओएच जी64 की आयु 50 लाख वर्ष से भी कम मानी जाती है यानी ब्रह्मांडीय पैमाने पर यह अभी युवाहै। 2024 में अत्यंत शक्तिशाली दूरबीन इंटरफेरोमीटर की मदद से इसकी विस्तृत तस्वीर ली गई। इसमें तारे के चारों ओर धूल का घना आवरण दिखाई दिया, जिससे संकेत मिला कि यह तेजी से अपना द्रव्यमान खो रहा है। नए अध्ययन के मुताबिक 2014 में इसकी सतह का बड़ा हिस्सा बाहर निकल गया था। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह किसी सहचर तारे के साथ अंत :क्रिया के कारण हो सकता है। वर्णक्रमीय विश्लेषण से सहचर तारे की मौजूदगी के संकेत भी मिले हैं।

1.89 करोड़ मतदाता तय करेंगे 275 सांसदों की किस्मत, 24 घंटे में आएंगे नतीजे

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने सोमवार को कहा कि पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव के नतीजे मतपत्रों की गणना के 24 घंटे के भीतर जारी कर दिए जाएंगे। हिमालयी देश में कुल 1.89 करोड़ पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करके प्रतिनिधि सभा के 275 सदस्यों का चुनाव करेंगे। इनमें से 165 सांसदों का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान के माध्यम से होगा जबकि 110 सांसदों का चुनाव आनुपातिक मतदान प्रणाली के तहत होगा, जो संसद में अल्पसंख्यकों व छोटे दलों के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करती है। भंडारी ने एक निजी समाचार एजेंसी को बताया कि आयोग मतपेटियों को एकत्रित करते ही मतगणना शुरू करने की योजना बना रहा है। उन्होंने बताया कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत परिणाम घोषित करने में एक या दो दिन लग सकते हैं जबकि प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के परिणाम मतपत्र संग्रह के 24 घंटों के भीतर घोषित कर दिए जाएंगे। आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत सदन के 275 सदस्यों में से 110 सदस्यों का चुनाव देश भर में राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त कुल मतों के आधार पर किया जाता है। मतदाता प्रत्येक पार्टी के लिए अलग-अलग मतपत्र डालते हैं और प्रत्येक पार्टी को प्राप्त मतों के अनुपात में सीट आवंटित की जाती हैं। पार्टियों को अपने प्रतिनिधि उम्मीदवारों की सूची में महिलाओं व दलितों, जनजातियों, मधेसियों और अल्पसंख्यकों जैसे वंचित समूहों को शामिल करना सुनिश्चित करना होगा।

मृत महिला के दान किए गए गर्भाशय से जन्मा बच्चा

लंदन, एजेंसी। लंदन से मेडिकल साइंस की एक ऐसी सुखद और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है, जिसने मातृत्व की आस छोड़ चुकी हजारों महिलाओं के लिए उम्मीद की नई मशाल जला दी है। ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार डॉक्टरों ने एक मृत महिला द्वारा दान किए गए गर्भाशय के सफल प्रत्यारोपण के जरिए एक स्वस्थ बच्चे का प्रसव कराया है। यह करिश्मा 30 वर्षीय ग्रेस बेल के जीवन में खुशियां लेकर आया है, जिन्हें महज 16 साल की उम्र में यह कह दिया गया था कि वह कभी मां नहीं बन पाएंगी। ग्रेस बेल एमआरकेएच सिंड्रोम नाम की एक दुर्लभ जन्मजात बीमारी से पी?ित थीं।

रूस-यूक्रेन युद्ध की 5वें साल में एंट्रीः कीव पहुंचे यूरोपीय दिग्गज, ज़ेलेंस्की बोले- 'पुतिन अपने मकसद में नाकाम'

यूक्रेन, एजेंसी। रूस के पूर्ण आक्रमण के चार साल हो गए और यूक्रेन के प्रति समर्थन जताते हुए एक दर्जन से अधिक वरिष्ठ यूरोपीय अधिकारी मंगलवार को कीव पहुंचे। रूस यूक्रेन युद्ध में हजारों लोग मारे गए हैं और इसने यूरोपीय नेताओं को महाद्वीप पर रूस की महत्वाकांक्षा को लेकर चिंतित कर दिया है। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा कि उनके देश ने रूस की बड़ी और बेहतर सुसज्जित सेना के हमले का सामना किया है, जिसने पिछले एक साल में यूक्रेन के केवल 0.79 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा किया है।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा, आक्रमण की शुरुआत को याद करते हुए और आज की स्थिति पर विचार करते हुए, हमें यह कहने का पूरा अधिकार है- हमने अपनी स्वतंत्रता की रक्षा की है, हमने देश का अपना दर्जा नहीं खोया है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पाए हैं। ज़ेलेंस्की ने कहा, वह यूक्रेनवासियों को तोड़ नहीं पाये। उन्होंने

यह युद्ध नहीं जीता है। हालांकि, जैसे-जैसे इस विनाशकारी युद्ध का पांचवा वर्ष शुरू हो रहा है, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के इस सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष के अंत के लिए अमेरिका के नेतृत्व में किए जा रहे राजनयिक प्रयास शांति संधि को संभव बनाने वाले किसी भी समझौते तक पहुंचते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। पुतिन के व्यापक लक्ष्यों को लेकर चिंताओं के बीच यूरोपीय नेताओं को यूक्रेन में अपने देशों की सुरक्षा खतरे में दिख रही है। उन्होंने मांग की है कि अमेरिका की मध्यस्थता से चल रही वार्ता में उनके नेताओं से परामर्श किया जाए। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने एक्स पर लिखा, चार साल से, यूक्रेनवासियों और सिर्फ उनके लिए ही नहीं, बल्कि हम सबके लिए हर दिन और हर रात एक बुरे सपने जैसी रही है, क्योंकि युद्ध यूरोप की दहलीज तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा, हम इसे तभी खत्म कर सकते हैं जब हम सब मिलकर मजबूत हों, क्योंकि यूक्रेन का भविष्य हमारा भविष्य है।इस युद्ध ने यूक्रेन से परे कई देशों को घसीट लिया है, जिससे संघर्ष को एक वैश्विक आयाम मिल गया है और विकासशील देशों में कमी, भूख और राजनीतिक अस्थिरता के और भी बदतर होने का खतरा पैदा हो गया है।

मंगलवार को कीव का दौरा करने वाले यूरोपीय अधिकारियों में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ-साथ सात प्रधानमंत्री और तीन विदेश मंत्री शामिल थे। यूक्रेन विदेशी सहायता के बिना रूस के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने में असमर्थ है, इसलिए नाटो देश अब सैन्य सहायता प्रदान कर रहे है और अमेरिकी हथियार खरीद रहे हैं, क्योंकि ट्रंप प्रशासन ने वाशिंगटन की पिछली नीति से अलग होकर कीव को हथियार देना बंद कर दिया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के चार साल पूरे होने पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने यूक्रेन के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए कहा, हम यूक्रेन के साथ हैं और रहेंगे।उन्होंने इस संघर्ष को रूस द्वारा चुना गया आक्रामक युद्धकरार दिया। मैक्रों ने कहा कि चार वर्षों में लगभग 15,000 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हुई है। उन्होंने हिंसा, बलात्कार, यातना, युद्ध अपराध और हजारों बच्चों के जबरन निर्वासन की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि चार साल बाद भी यूक्रेन डटा हुआ है और रूस अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- हम लगातार बेहतर होते जाएंगे

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में कहा, हम लगातार बेहतर होते जाएंगे। यह अमेरिका का स्वर्ण युग है। जब मैंने 12 महीने पहले इस सदन में आखिरी बार भाषण दिया था, तब मुझे एक संकट में फंसा देश मिला था। जिसकी अर्थव्यवस्था स्थिर थी, मुद्रास्फीति रिकॉर्ड स्तर पर थी, सरहदें खुली हुई थीं, सेना और पुलिस के लिए भर्ती की प्रक्रिया भयावह थी। उन्होंने कहा, देश में अपराध चरम पर था और दुनिया भर में युद्ध और अराजकता फैली हुई थी। लेकिन आज रात, केवल एक वर्ष के बाद, मैं गरिमा और गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमने एक ऐसा परिवर्तन हासिल किया है जैसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा और एक ऐतिहासिक बदलाव लाया है। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक बदलाव है।वेनेजुएला को बताया नया दोस्त ट्रंप ने दावा किया कि देश में घरेलू विनिर्माण और नई नौकरियों में भारी उछाल आया है। हालांकि कई अमेरिकी अभी भी महसूस नहीं कर पा रहे कि अर्थव्यवस्था उनकी जेब पर असर डाल रही है। ट्रंप ने कहा, हमने ऐसा बदलाव किया है जैसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा, और यह युगों का टर्नअराउंड है। हम कभी उस हालत में वापस नहीं जाएंगे जहां हम कुछ समय पहले थे। ट्रंप ने अपने भाषण में वेनेजुएला को नया दोस्त बताया है।

अमेरिकी संसद में ट्रम्प फिर बोले- भारत-पाक युद्ध रुकवाया

गाजा सीजफायर को जीत बताया, ईरान पर 32000 प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह संसद में भाषण दिया। साल की शुरुआत में संसद में प्रेसिडेंट के भाषण को 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच कहा जाता है। ट्रम्प ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया। साथ ही 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप भी लगाया। अपने भाषण में ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच गाजा सीजफायर को अपनी उपलब्धि कहा। वहीं वेनेजुएला पर कब्जे के करीब डेढ़ महीने बाद वहां तेल उत्पादन में बढ़ोतरी का दावा करते हुए उसे अमेरिका का नया दोस्त करार दिया। ट्रम्प ने बताया कि ईरान अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल बना सकता है। उन्होंने कहा ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी।

भारत-पाकिस्तान जंग में 3.5 करोड़ मौतें रोकीं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु जंग में 3.5 करोड़ लोगों के मारे जाने की आशंका थी। हालांकि, भारत इस दावे को

हमेशा खारिज करता आया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ऐसी मिसाइल डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी। ट्रम्प का कहना है कि ईरान ने 32,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला। वह अमेरिका को युद्ध में ले जाना चाहता है।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला कर उसका न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम पूरी तरह खत्म कर दिया। ट्रम्प ने कहा कि वे पहले कूटनीति से समस्या सुलझाना चाहते थे, लेकिन ईरान ने यह वादा नहीं किया कि वह नाभिकीय हथियार नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमें वह सीक्रेट शब्द नहीं सुनाई दिए कि हम कभी एटमी हथियार नहीं बनाएंगे। ट्रम्प के भाषण के बीच कैपिटल के पास नेशनल मॉल में द पीपल्स स्टेट ऑफ द यूनियन नामक एक खुली रैली में कुछ डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य और कार्यकर्ता एकत्रित हुए हैं। आयोजकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य रिपब्लिकन प्रशासन की नीतियों का खामियों को उजागर करना है । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक बड़ा और दावा किया है। अपने दूसरे कार्यकाल के पहले स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में ट्रंप ने कहा कि अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो 3.5 करोड़ लोग मारे जा सकते थे।

- **ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम :** ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम को खत्म दिया गया है।
- **गाजा संघर्ष विराम :** ट्रम्प ने गाजा में इजराइल-हमास सीजफायर को कामयाब बताया, जिससे सभी इजराइली बंधक रिहा हो गए।
- **महंगाई और कीमतें :** ट्रम्प ने कहा कि महंगाई के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं और उनकी नीतियों से कीमतें तेजी से नीचे आ रही हैं।
- **सोमाली समुदाय और धोखाधड़ी :** उन्होंने कहा कि सोमाली समुद्री लुटेरों ने रिश्वत, भ्रष्टाचार और अराजकता के जरिए मिनेसोटा को बर्बाद कर दिया।
- **ऑयल प्रोडक्शन :** ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में तेल का प्रोडक्शन रोज करीब 6 लाख बैरल से ज्यादा बढ़ा है।
- **टैरिफ और व्यापार नीति :** ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नए 15% वैश्विक टैरिफ लागू करने की बात कही।
- **एनर्जी प्रोडक्शन और वेनेजुएला :** ट्रम्प ने तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की बात की और वेनेजुएला को अमेरिका का नया दोस्त बताया। वॉर ऑन फ्राड : ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार की तरफ से 'धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई' की लीडरशिप अब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे।

जरूरी खनिजों पर चीन की पकड़ से रक्षा उद्योग को खतरा', अमेरिकी सांसदों ने दी चेतावनी

'चीन पर अमेरिका की निर्भरता सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिजों और आधुनिक तकनीकी सप्लाई चेन्स को लेकर चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन का दबदबा संकट के समय में अमेरिकी रक्षा उद्योग को कमजोर कर सकता है। वहीं, पेंटागन ने घरेलू सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण के लिए किए गए विवादित इक्विटी निवेश और मूल्य गारंटी का बचाव किया है।

सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष रोजर विकर ने सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण पर कांग्रेस की सुनवाई में कहा, 'यह कोई बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन के पर अमेरिका की निर्भरता हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरियों में से एक है।' उन्होंने चेतावनी दी कि दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ) के निर्यात में कटौती की धमकियों से अमेरिकी रक्षा उत्पादन घुटनों पर आ जाता और अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होता। पेंटागन औद्योगिक नीति प्रमुख माइकल कैडेनाजी ने सीनेटरों को बताया कि यह जोखिम तत्काल है। उन्होंने कहा, 'यह कोई सैद्धांतिक जोखिम नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट और मौजूदा खतरा है।' उन्होंने चेतावनी दी कि बीजिंग इन सप्लाई चेन को हथियार बना सकता है, जिससे हमारे डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस में रुकावट आने

और संकट में मिलिट्री की तैयारी से समझौता करने का खतरा है। कैडेनाजी ने बताया कि विभाग ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत और इंडस्ट्रियल बेस फंड के जरिए खनिज क्षेत्र में 97 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया और अमेरिका एक व्यापक रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें उत्पादन को वापस लाना, सहयोगियों के साथ काम करना, रिसर्च और रीसाइक्लिंग में निवेश व राष्ट्रीय रक्षा भंडार का आधुनिकीकरण करना शामिल है। उन्होंने दुर्लभ धातुओं के उत्पादन को सुरक्षित करने के लिए 'एमपी मैटेरियल्स समझौते' का जिक्र किया। हालांकि, दोनों दलों के सांसदों ने पेंटागन पर कैलिफोर्निया में एमपी मटेरियल्स नाम की दुर्लभ धातु खनन कंपनी में 40 करोड़ डॉलर की लागत से 15 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी लेने पर सवाल उठाए। रैंकिंग मेंबर जैक रीड ने इस तरह के निवेश के कानूनी आधार पर सवाल उठाया और कहा कि डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट में 'इक्विटी निवेश का बिल्कुल भी जिक्र नहीं है।' कैडेनाजी ने इक्विटी निवेश का बचाव करते हुए कहा कि यह निजी निवेश के लिए उत्प्रेरक है, खासकर उस स्थिति में जब बाजार-आधारित दृष्टिकोण विफल रहा। उन्होंने तर्क दिया कि मूल्य-न्यूनतम खुले बाजार के विश्लेषण के आधार पर तय किए गए, ताकि चीन की ओर से नियंत्रित मूल्य-न्यूनतम का मुकाबला किया जा सके। सुनवाई में परमिट और पर्यावरण सुरक्षा उपायों को लेकर मतभेद भी सामने आया। सीनेटर डैन सुलिवन ने कहा कि पर्यावरण संबंधी पाबंदियां माइनिंग डेवलपमेंट के लिए विवाद का एक बड़ा मुद्दा रही हैं, जबकि सीनेटर माजी के. हिरोनो ने कहा कि पर्यावरण संबंधी जरूरतें जरूरी हैं और हम सिर्फ इसलिए उन चीजों को नहीं छोड़ सकते, क्योंकि हम जरूरी खनिजों का खनन करना चाहते हैं।

बलूच संगठनों का अफगानिस्तान को समर्थन का ऐलान

बलूच, एजेंसी। बलूच संगठन ने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए कथित हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया।अफगानिस्तान के के अनुसार पाकिस्तान ने नंगरहार और पक्तिका प्रांतों के रिहायशी इलाकों में हवाई हमले किए। दावा किया गया कि एक मदरसे को निशाना बनाया गया कई रिहायशी घर तबाह हुए महिलाओं और बच्चों समेत दर्जनों नागरिक मारे गए या घायल हुए हालांकि पाकिस्तान की ओर से इस पर आधिकारिक विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ब्रहरूने कहा द्वाद्व पिछले 79 वर्षों से क्षेत्रीय अस्थिरता की मुख्य वजह पाकिस्तान की नीतियां हैं। पाकिस्तान पर विस्तारवादी और आंतरिक दमनकारी नीति अपनाने का आरोप लगाया। बलूचिस्तान के कब्जे और वहां राजनीतिक दमन का जिक्र किया। संगठन ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए पड़ोसी देशों पर दबाव

बनाता है। बीएनएम ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह अफगानिस्तान की संप्रभुता और आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। उसने क्षेत्रीय देशों से संयुक्त मोर्चा बनाने की अपील की ताकि कथित सैन्य आक्रामकता का मुकाबला किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस तरह के हमले जारी रहे तो पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंध और बिगड़ सकते हैं। सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ सकता है और क्षेत्र में अस्थिरता और उग्रवाद को बढ़ावा मिल सकता है।

खैबर पख्तूनख्वा से पंजाब प्रांत तक आतंक का साया

● पुलिस वैन पर हमले से सात की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में पुलिस पर हुए दोहरे हमले ने सुरक्षा हालात पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में संदिग्ध आतंकियों ने पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में कम से कम छह पुलिसकर्मियों और एक आम नागरिक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहला हमला कोहाट में एक पुलिस वाहन पर किया गया, जिसमें एक अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही मिनट बाद जब अतिरिक्त पुलिस बल वहां पहुंचा तो हमलावरों ने दोबारा हमला कर दिया। इस दूसरी घात में पांच और पुलिसकर्मी तथा एक नागरिक मारे गए। हमलावर घटना के बाद फरार हो गए और इलाके में सर्च अभियान शुरू किया गया है।

इसी दिन पंजाब प्रांत के बुकर जिले में एक पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। इस विस्फोट में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हुई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले की जांच जारी है और अभी किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। सुरक्षा एजेंसियां संभावित आतंकी नेटवर्क की तलाश में जुटी हैं। अर्धसैनिक चौकी पर विस्फोटकों से लदे ड्रोन से हमला किया गया था। इस हमले में कई अधिकारी घायल हुए। बाद में घायलों को ले जा रही एंबुलेंस पर भी घात लगाकर हमला किया गया, जिसमें तीन अधिकारियों की मौत हो गई और उनके शव जला दिए गए। एक एंबुलेंस चालक खुद झुलसने के बावजूद घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सफल रहा। इन घटनाओं ने सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया है। हालिया हमलों की जिम्मेदारी किसी समूह ने नहीं ली है, लेकिन शक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी पर जताया जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन से काम करते हैं।

एफआईएच प्रो लीग 2025-26: 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट में स्पेन ने भारत को हराया

होबार्ट (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के ऑस्ट्रेलिया चरण में भारत को स्पेन के खिलाफ कड़ी टक्कर के बाद शूटआउट में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में चूकों ने भारत से जीत छीन ली। मैच तसमानिया हाकी सेंटर में खेला गया। स्पेन ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित ने शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर बचाकर टीम को संभाले रखा। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह ने बेहतरीन टर्न लेते हुए मनिंदर सिंह को पास दिया, जिन्होंने जोरदार टोमहॉक शॉट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। भारत को भी मौके मिले, पर स्पेनिश गोलकीपर लुइस कालजाडो ने अहम सेव किए। भारत 59वें मिनट तक 1-0 से आगे था, लेकिन एक रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए ब्रूनो फॉन्ट ने शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। अंतिम सेकंडों में स्पेन को लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, पर भारतीय रक्षा पंक्ति ने उन्हें रोक दिया। शूटआउट में अभिषेक और हार्दिक सिंह के प्रयास असफल रहे, जिसका फायदा उठाते हुए स्पेन ने 4-3 से मुकाबला जीत लिया। भारत को इस हार के बावजूद एक अंक मिला। भारतीय टीम अब होबार्ट चरण के अपने अगले मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

हार के बाद पाकिस्तानी क्रिकेट फैंस ने की हदें पार, कप्तान की पत्नी और बेटे को दे रहे गालियां

कोलंबो/करांची (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड से मिली करीबी हार के बाद पाकिस्तान की सेमीफाइनल की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर हैं। लेकिन मैच के बाद जो कुछ सोशल मीडिया पर हुआ, उसने खेल भावना को झकझोर दिया। टीम के कप्तान सलमान अली आगा के प्रदर्शन को लेकर नाराज कुछ फैंस ने आलोचना की सीमाएं लांघते हुए उनके परिवार को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया। इस विवाद ने ऑनलाइन ट्रोलिंग और खिलाड़ियों की निजी जिंदगी पर हमलों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। पल्लेकेले में खेले गए इस अहम मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 165 रन का लक्ष्य दिया। हालांकि गेंदबाजों ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंग्रेज टीम ने 19.1 ओवर में 166/8 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने दबाव में शानदार शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ इंग्लैंड सुपर-8 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। दूसरी ओर, पाकिस्तान की राह अब अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर हो गई है। ह्यमैच खत्म होते ही सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी टीम की आलोचना शुरू हो गई। कप्तान सलमान अली आगा के फैसलों और टीम की रणनीति पर सवाल उठाए गए। लेकिन कुछ यूजर्स ने आलोचना की सीमा पार करते हुए उनके परिवार पर अभद्र टिप्पणियां करनी शुरू कर दीं। यह ट्रोलिंग सिर्फ कप्तान तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनकी पत्नी और छोटे बेटे तक पहुंच गई। कई आपत्तिजनक संदेश और गालियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल होने लगीं।

बुमराह की टॉप-10 में वापसी, बल्लेबाजों में ईशान किशन की लंबी छलांग

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताज़ा टी-20 रैंकिंग में टीम इंडिया का दबदबा देखने को मिला है। तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3/15 के प्रदर्शन के दम पर गेंदबाज़ों की सूची में टॉप-10 में वापसी की है। वहीं बल्लेबाज़ी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 स्थान पर कायम हैं, जबकि ईशान किशन शानदार प्रदर्शन के दम पर टॉप-5 में शामिल हो गए हैं।

बुमराह सात स्थान की छलांग लगाकर आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। टॉप पर भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवती काबिज़ हैं, जबकि दूसरे स्थान पर राशिद खान हैं। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर कोरबिन बुच ने 21 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। इंग्लैंड के आदिल राशिद चौथे स्थान पर कायम हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद टीम से बाहर होने के बाद दो स्थान फिसल गए।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग

वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड ने 23 स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया और बुमराह से ऊपर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा छठे स्थान पर हैं। बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने के बावजूद मुस्ताफिजर रहमान नौवें स्थान पर बने हुए हैं। चोटिल हसरंगा चार स्थान फिसलकर 10वें नंबर पर आ गए।

ऑलराउंडर रैंकिंग- सिकंदर फिर नंबर-1

ज़िम्बाब्वे के कप्तान सिंकदर राजा ने दोबारा नंबर-1 ऑलराउंडर का ताज हासिल कर लिया है। पाकिस्तान के सैम अयूब के बल्ले से रन नहीं निकलने का फायदा उन्हें मिला।भारत के हार्दिक पंड्या तीसरे स्थान पर हैं। शिवम डुबे ऑलराउंडर रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि अक्षर पटेल 18वें नंबर पर फिसल गए। इटली के बेनजिन मेहंती 20वें से 14वें स्थान पर पहुंच गए।

ज़िम्बाब्वे के वार्ड इवंस, पाकिस्तान के मो.नवाज और न्यूजीलैंड के जेकब टॉप-10 से बाहर हो गए। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जेनसन आठ स्थान चढ़कर 19वें पर पहुंचे, जबकि भारत के अर्शदीप सिंग समान अंक के साथ उनके ठीक नीचे हैं।

बल्लेबाज़ी रैंकिंग- ब्रेविस की एंट्री, ईशान टॉप-5 में

भले ही फॉर्म में गिरावट आई हो, लेकिन अभिषेक शर्मा अब भी नंबर-1 बल्लेबाज़ बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के इन-फॉर्म ओपनर साहिबजादा फरहान दो स्थान चढ़कर तीसरे पर पहुंच गए और पथुम निशांका को पीछे छोड़ा।

भारत के इशान किशन शानदार पारियों के चलते टॉप-5 में शामिल हो गए। टॉप-10 में नई एंट्री डेवाइल्ड बेवरिस की हुई है, जिन्होंने अहमदाबाद में भारत के खिलाफ 45 रन बनाए थे। इससे टिम शीफिर्ट और ट्रेविस हेड एक-एक स्थान नीचे खिसक गए।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रक पाकिस्तान के खिलाफ शतक के बाद 10 स्थान चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। भारत के शिवम दुवे 13 स्थान की छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गए।

आज भारत का वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ 'करो या मरो' का मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। शीर्षक्रम की नाकामी और पिछली हार के बाद भारी दबाव से जूझ रही गत चैम्पियन भारतीय टीम को 'जाइंट किलर' जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के 'करो या मरो' के मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से हार के बाद भारत का नेट रनरेट (माइनस 3.80) खराब हो गया है जिससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए यह मुकाबला हर हालत में बड़े अंतर से जीतना होगा।

भारत को इसके लिए पारी की शुरूआत और तीसरे नंबर की समस्या से पार पाना होगा। विश्व कप से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन शानदार फॉर्म में थे जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया था। लेकिन पेट के संक्रमण के बाद से अभिषेक की लय खो गई है। सपाट पिचों पर आफ स्पिनरों के सामने वह अपने पसंदीदा शॉट नहीं खेल पा रहे हैं जिसका भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा।

सवाल यह है कि आक्रामक बल्लेबाजी की स्वाभाविक शैली को तिलांजलि देकर क्या वह कुछ रन बना सकेंगे। अभिषेक की शैली में ही खेलने वाले इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने अपने खेल में बदलाव किया और पाल्लेकेल में पाकिस्तान के खिलाफ शतक जमाया। उनकी पारी देखकर ही शायद अभिषेक को ऐसा कुछ करने की प्रेरणा मिले। ब्रूक कभी भी स्पिनरों के सामने सहज नहीं रहे लेकिन उन्होंने पाकिस्तानी स्पिन आक्रमण की बखिया उधेड़ दी। उन्होंने रक्षात्मक और आक्रामक बल्लेबाजी का अच्छा तालमेल पेश किया। तिलक वर्मा को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

भारत के शीर्षक्रम को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

अभिषेक के खराब फॉर्म के कारण तिलक को ईशान का बखूबी साथ देना चाहिए था लेकिन ऐसा हुआ नहीं। ईशान 193 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पा रहा। सूर्यकुमार यादव ने 180 रन बनाए हैं लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 कैरियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है।

शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या निचले क्रम पर आक्रामक पारियां नहीं खेलते तो कुछ मैचों में तो भारत का स्कोर सम्मानजनक भी नहीं रहता। बाएं हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग किया है। शीर्ष तीन में दाहिने हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल करने की संभावना है हालांकि वह खुद बहुत अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है।

जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है जिसका अभी तक भारत ने सामना किया है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस से कड़ी चुनौती मिल सकती है। गेंदबाजी में भारत को चिंता करने की जरूरत नहीं है लेकिन पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर चटकाने के बाद उसे सात विकेट पर 187 रन बनाने का मौका दे दिया जिस पर विचार करना होगा।

भारत-सुयकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे-सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

मैच का समय = शाम 7 बजे से।

टी-20 वर्ल्ड कप में रिंकू की अनुपस्थिति

सैमसन पर फोकस, जिम्बाब्वे के खिलाफ कर सकते हैं वापसी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह पारिवारिक आपात स्थिति के कारण घर लौट गए हैं और 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले में उनके खेलने पर संदेह है। चेपॉक में मैच से दो दिन पहले दूधिया रोशनी में हुए अभ्यास सत्र में रिंकू मौजूद नहीं थे। रिंकू का टूर्नामेंट अब तक साधारण रहा है। ग्रुप चरण में 6, 1, 11* और 6* के स्कोर के बाद वह अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की हार में खाता भी नहीं खोल सके।

अगर रिंकू गुरुवार के मैच के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं, तो संजू सैमसन प्लेइंग इलेवन में वापस आ सकते हैं। यह शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों के वर्चस्व को तोड़ सकता है। हालांकि नंबर 3 पर कप्तान सूर्यकुमार यादव भी एक विकल्प बने हुए हैं। सैमसन ने मंगलवार को भारत के अभ्यास सत्र के दौरान सेंटर विकेट पर लंबी प्रैक्टिस की। बाद में उन्होंने मुख्य मैदान से सटे एमए चिदंबरम बी नेट्स में भी बल्लेबाजी की।

करीब 6.30 बजे पहले नेट में कोच गौतम गंभीर की निगरानी में सैमसन और इशान किशन ने ते गेंदबाज़ों का सामना किया। जब भी मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह ने बैक ऑफ लेंथ या शॉर्ट गेंद फेंकी, सैमसन जल्दी बैकफुट पर आकर उन्हें मजबूती से लॉन्ग-ऑन या मिडविकेट के ऊपर पुल कर रहे थे। वाइड लॉन्ग-ऑन के ऊपर एक जोरदार शॉट पर कैमरामैन को बचने के लिए भागना पड़ा। हालांकि जब अर्शदीप ने गुड लेंथ पर गेंदबाज़ी की, सैमसन बैकफुट पर ही खड़े रहे, बिना पैरों का इस्तेमाल किए ड्राइव के लिए गए और चूक गए। टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में जैकब डफी और मैट हेनरी ने इसी तरह की लेंथ पर उन्हें परेशान किया था, जब उन्हें कवर के ऊपर या सीधे शॉट खेलने की जगह नहीं मिली। बाद में सैमसन ने पीछे हटकर जगह बनाने की कोशिश की, लेकिन वह तरीका भी सफल नहीं रहा।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

जम्मू-कश्मीर कप्तान पारस डोगरा और कर्नाटक के केवी अनीश के बीच झड़प

जम्मू (एजेंसी)। हुबली में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन मुकाबला उस समय तनावपूर्ण हो गया जब जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा और कर्नाटक के सब्स्टीट्यूट फील्डर केवी अनीश के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बहस इतनी बढ़ी कि डोगरा ने अनीश को हेडबट मार दिया, जिसके बाद मैदान पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप कर स्थिति संभालनी पड़ी। इस घटना ने हाई-प्रोफाइल फाइनल के रोमांच के बीच अनुशासन और खेल भावना पर भी सवाल खड़े कर दिए। यह घटना जम्मू-कश्मीर की पारी के 101वें ओवर में हुई। डोगरा ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर शानदार शॉट खेलकर बाउंड्री हासिल की। इसके तुरंत बाद सिली पॉइंट पर तैनात अनीश के साथ उनकी कहासुनी शुरू हो गई। चश्मदीदों के अनुसार, बहस बढ़ने पर डोगरा अनीश की ओर बढ़े और हेलमेट पहने फील्डर को हेडबट मार दिया। स्थिति बिगड़ती देख कर्नाटक कप्तान मयंक अग्रवाल सहित अन्य खिलाड़ियों ने बीच-बचाव किया। अंपायरों ने भी दोनों को अलग कर मैच दोबारा शुरू कराया।पारस डोगरा पहले दिन 48 गेंदों पर 9 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे।

भारतीय कमेंटेटर ने कोच गंभीर पर कसा तंज, बोले- हर समस्या का एक ही इलाज वॉशिंगटन सुंदर

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 76 रन की करारी हार के बाद टीम चयन और रणनीति पर तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने हेड कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर सवाल उठाते हुए वॉशिंगटन सुंदर को हर समस्या का एक ही इलाज करार दिया।

सुपर-8 मुकाबले में भारत ने एकमात्र बदलाव करते हुए अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया। लेकिन यह दांव उल्टा पड़ता दिखा।

नेट रन रेट और टीम का आत्मविश्वास दोनों प्रभावित हुए; इस बदलाव से बल्लेबाज़ी संतुलन बिगड़ गया और फिनिशिंग क्रम में भी गड़बड़ी देखने को मिली।

मांजरेकर ने लाइव चर्चा के दौरान कहा, पहले एक दवा हुआ करती थी कैलास जीवन।

सिरदर्द हो या पेट दर्द, हर चीज़ का एक ही इलाज। गौतम गंभीर के पास भी हर समस्या का एक ही समाधान है वॉशिंगटन सुंदर।

उन्होंने आगे कहा, बैटिंग की दिक्कत है तो वॉशी, बॉलिंग की दिक्कत है तो वॉशी। आज उन्हें नंबर 5 पर भेज दिया गया, जबकि रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या नंबर 7 पर आए। यह कुछ ज़्यादा हो गया। सुंदर को नंबर 5 पर प्रमोट करने से विशेषज्ञ फिनिशरों को नीचे आना पड़ा- रिंकू सिंग नंबर 6 पर, हार्दिक पंड्या नंबर 7 पर, आलोचकों का मानना है कि इस फेरबदल से भारत की फिनिशिंग ताकत कमजोर हुई, जो टी20 क्रिकेट में टीम की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है।

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज़ों ने खासकर स्लोअर गेंदों और वैरिएशन से भारतीय बल्लेबाज़ों को परेशान किया। मांजरेकर ने तकनीकी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा, तेज गेंदबाज़ी को भूल जाइए, असली समस्या स्लोअर गेंदों और स्पिन के खिलाफ है। कप्तान खुद भी धीमी गेंदों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। यह संकेत है कि विरोधी टीमें अब इसी कमजोरी को निशाना बनाएंगी। बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने स्वीकार किया कि संयोजन पर दोबारा विचार किया जा सकता है। वहीं सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने माना कि विशेषज्ञ बल्लेबाज़ों के विकल्पों की कमी चिंता का विषय है।

राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को द हंड्रेड से बाहर करने की अटकलों के बीच ईसीबी ने कहा-

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और 'द हंड्रेड' की फ्रेंचाइजी ने संयुक्त बयान जारी करके कहा है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसी आशंका है कि इस प्रतियोगिता के लिए अगले महीने होने वाली नीलामी में भारतीय स्वामित्व वाली कम से कम चार टीमें पाकिस्तानी क्रिकेटरों को जानबूझकर नजरअंदाज कर सकती हैं।

आठ फ्रेंचाइजी में से चार मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) के मालिक आईपीएल के टीमों के मालिक भी हैं और ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लेने से परहेज कर सकती हैं।

पिछले साल 'द हंड्रेड' कि किसी भी टीम का मालिक भारतीय नहीं था। इसके बावजूद इस प्रतियोगिता के लिए केवल दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चुना गया था। इस टूर्नामेंट के पहले पांच सत्र में पाकिस्तान के केवल 9 खिलाड़ी ही खेल पाए हैं। टीमों के नए मालिक इस सत्र से इन फ्रेंचाइजी का संचालन करेंगे।ईसीबी और आईपीएल से जुड़े मालिकों सहित 'द हंड्रेड' की सभी आठ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व रखने वाले मालिकों ने संयुक्त बयान में कहा, द हंड्रेड की शुरुआत नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, लिंग, धर्म, राष्टीयता या अन्य किसी भी आधार पर हो, हमारे खेल में अपनी जगह महसूस कर सके। खिलाड़ियों को उनकी राष्टीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए। बयान के अनुसार, टूर्नामेंट को संचालित करने के निकाय के रूप में ईसीबी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भेदभाव के लिए कोई जगह न हो। किसी भी तरह के भेदभाव किए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए नियम बनाए गए हैं। बयान में कहा गया है, सभी आठ टीमें इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह से उनके प्रदर्शन, उपलब्धता और प्रत्येक टीम की जरूरतों के आधार पर होगा।पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने सोमवार को 'द हंड्रेड' में खेलने की इच्छा व्यक्त की थी।